RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 193 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 08-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सदन की मर्यादा हर हाल में बनी रहनी चाहिए : ओम बिरला

6 नायक जितेंद्र सिंहः गोलियां लगीं, खून बहा, फिर भी देश के दुश्मनों का किया खात्मा

7 भूमि पेडनेकर की 'दलदल' बनी ग्लोबल ओटीटी हिट

फर्स्ट टेक

रूस में भारतीय समेत आठ को चाकू मारा गया

मास्को/भाषा। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के एक विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के छात्रावास के खेल कक्ष में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में भारतीय व दो पुलिस अधिकारियों सहित कम से कम आठ लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गयी। गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक खबरों के अनुसार, चाकू लिये एक किशोर रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य के उफा में स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुस गया, उसने वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया और उनमें से कई को चाकू मार दिया। आरटीवीआई डॉट कॉम वेबपोर्टल ने गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इरिना वोल्क के हवाले से कहा, हमलावर ने गिरफ्तारी का विरोध किया, जिसके दौरान दो पुलिस अधिकारियों को चाकू मार दिया गया। इसके अलावा, संदिग्ध ने खुद को भी शारीरिक नुकसान पहुंचाया। हालांकि, छात्रों की पहचान या राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया गया।

51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

बीजापुर/सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ में बस्तर मंडल के दो जिलों में शनिवार को कुल 1.61 करोड़ रुपए के इनामी 51 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय हुआ जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडम 2026' उत्सव का उद्घाटन किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 34 महिलाएं शामिल हैं।

भारत में चीतों की संख्या 35 हुई

शिवपुरी/श्योपुर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'आशा' ने पांच शावकों को जन्म दिया है जिसके साथ ही देश में इस वन्यजीव की कुल संख्या बढ़कर 35 हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कूनो में गर्व का क्षण है। मादा चीता आशा श्रेरा पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देने से भारत में चीता संरक्षण अभियान को मजबूती मिली है। इसके साथ ही भारत में जन्मे शावकों की संख्या 24 हो गई है और कुल चीता आबादी 35 पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि नामीबिया से लाई गई मादा चीता आशा से शावकों का जन्म होना परियोजना की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह परियोजना दशकों पहले भारत में विलुप्त हो चुके दुनिया के सबसे तेज रफ़्तार प्राणी चीते के पुनर्वास के उद्देश्य से शुरू की गई है।

सूर्यास्त 08-02-2026 6:23 बजे	सूर्योदय 09-02-2026 6:44 बजे
BSE 83,580.40 (+266.47)	NSE 25,693.70 (+50.90)
सोना 15,827 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 240,932 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पाकिस्तानी हुक्मरान

सभी तरफ़ है अफरातफरी,
दहशत में है पाकिस्तान।
उड़ी धज्जियां कानूनों की,
बना खिलौना संविधान।
नाम भले ही है शरीफ़,
बदमाश मगर है हुक्मरान।
आवाम करे क्या बेचारी,
इंसान बन गए जब हैवान।।

आशीर्वाद

शनिवार को केरल के कोझिकोड में पुन्नास्सेरी श्री भगवती मंदिर उत्सव के तहत आयोजित 'भगवती थीरा' के दौरान देवी का स्वरूप धारण किए कलाकार श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए।

'विभाजन इसलिए हुआ, क्योंकि 'हिंदू भाव' को भुला दिया गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि भारत का विभाजन इसलिए हुआ, क्योंकि हिंदू भाव को भुला दिया गया था।

मुंबई में 'संघ की 100 साल की यात्रा : नये क्षितिज' कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को संवाद के बिना नहीं समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी आवश्यक है, लेकिन वैश्विक निर्भरता भी जरूरी है और ऐसी निर्भरता टैरिफ (शुल्क) से प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

भागवत ने कहा, धर्म के कारण विभाजन हुआ। हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। कुछ लोग कहते हैं कि यह गलत था। भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म आज भी मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहा है... 'हिंदू भाव का विस्मरण' भारत के विभाजन का कारण बना।

संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू होने का मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदुत्व को अपनाकर आप कुछ भी नहीं गंवाते, न तो अपनी धार्मिक प्रथा और न ही अपनी भाषा। हिंदुत्व आपकी सुरक्षा की गारंटी है।

भागवत ने कहा कि किसी व्यक्ति का धर्म, खान-पान की आदतें और भाषा अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सभी समाज, संस्कृति और राष्ट्र के रूप में एक हैं। उन्होंने कहा, हम इसे 'हिंदुत्व' कहते हैं और आप इसे 'भारतीयता' कह सकते हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता एक गलत वाक्यांश है, क्योंकि आप दो (अलग-अलग) लोगों को एकजुट कर रहे हैं, न कि उन्हें जो पहले से ही एक हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस को समझने के लिए संवाद जरूरी है और संगठन की प्रकृति को धारणा एवं दुष्प्रचार के आधार पर नहीं समझा जा सकता। भागवत ने कहा कि अगर तथ्यात्मक आधार पर संघ का कोई विरोध है, तो हम सुधार करेंगे, लेकिन तथ्यों को जानने के लिए आपको हमारे पास आना होगा। उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की ताकत को सक्रिय करने की आवश्यकता है और हमें एक-दूसरे का पूरक बनने की जरूरत है।

भारत की रूसी तेल खरीद पर लगा

25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क सात फरवरी से हट जाएगा : अमेरिका

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने कहा है कि भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसके बाद भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका श्रेरा लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को सात फरवरी से हटा लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की तरफ से जारी एक कार्यकारी आदेश के मुताबिक, भारत ने अगले 10 वर्षों के लिए अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग विस्तार के एक ढांचे पर भी सहमति जताई है। इस आदेश में कहा गया है, सात फरवरी, 2026 को पूर्वी मानक समयानुसार रात 12.01 बजे या उसके बाद खपत के लिए आयात की गई या गोदाम से निकाली गई भारत की वस्तुओं पर कार्यकारी आदेश 14329 के तहत लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य-आधारित शुल्क (ऐड वैलोरेम) लागू नहीं रहेगा।

कौशल विकास भारत की समुद्री विकास गाथा की रीढ़ : सोनोवाल

पालघर/मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को कहा कि कौशल विकास भारत की समुद्री विकास गाथा की रीढ़ है। सोनोवाल ने मुंबई में वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं को कंपनी के व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम के तहत सम्मानित किया गया। इस मौके पर वीपीपीएल और महाराष्ट्र सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय (डीवीईटी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह साझेदारी पीएम-सेतु योजना के तहत आईटीआई में अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रमों के संचालन की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे वाढवण क्षेत्र के 44 चयनित गांवों के छात्रों को विभिन्न कौशल का मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विज्ञप्ति के मुताबिक, कार्यक्रम में सोनोवाल ने 'कस्टम डॉक्यूमेंटेशन कोर्स' के दूसरे बैच के छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने भारतीय जहाजरानी निगम (एससीआई) के सहयोग से संचालित 'जीपी रेटिंग प्री-सी ट्रेनिंग कोर्स' के लिए 11 छात्रों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए।

अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, कुछ जहाजों को पकड़ा गया : भारतीय तटरक्षक

नयी दिल्ली/भाषा। भारतीय तटरक्षक ने शनिवार को कहा कि उसने मुंबई के तट से करीब 100 समुद्री मील पश्चिम में समुद्र के बीच एक अभियान के तहत एक अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और इससे जुड़े कुछ जहाजों को पकड़ा है। तटरक्षक कहा कि गिरोह में शामिल जहाजों ने ''संघर्षरत देशों से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल और तेल-आधारित सामान की तस्करी करने और अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मोटर टैंकरों को बीच समुद्र में स्थानांतरित करके मुनाफा कमाने का एक तरीका'' निकाला था। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने एक बयान में कहा कि 'डिजिटल निगरानी' और बल की लगातार बढ़ती समुद्री मौजूदगी के साथ शुरू किया गया यह समुद्री अभियान एक बार फिर भारत को ''समुद्री सुरक्षा देने वाले और अंतरराष्ट्रीय नियमों पर आधारित व्यवस्था को लागू करने वाले देश'' के तौर पर स्थापित करता है। तटरक्षक ने कहा, ''पांच फरवरी को मुंबई से करीब 100 समुद्री मील पश्चिम में आईसीजी के जहाजों ने तीन जहाजों को रोका और लगातार तलाशी, संदिग्ध जहाजों की इलेक्ट्रॉनिक डेटा की पुष्टि, दस्तावेजों के सत्यापन और चालक दल से पूछताछ के ज़रिए भारतीय तटरक्षक की विशेष बोर्डिंग टीम ने घटनाओं की कड़ियों और अपराधियों के काम करने के तरीके का पता लगाया।''

भारत विकास का भरोसेमंद साझेदार है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को ''विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार'' के रूप में देखा जाता है और यह बात ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए व्यापार समझौतों में परिलक्षित होती है। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रवासी भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं।

विभिन्न देशों के साथ भारत श्रेरा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को ''विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार'' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

मोदी ने कहा, ''हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसका कारण हमारी भाषाओं और मलय भाषा में बड़ी संख्या में मौजूद समान शब्द ही होंगे।'' उन्होंने कहा, ''कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता आ रहा है।''

मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में आकर बहुत खुशी हो रही है, जो 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा है। उन्होंने कहा, ''मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि मलेशिया में रहने वाले तमिल प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''दरअसल, तमिल प्रवासी यहां कई सदियों से रह रहे हैं। इस इतिहास से प्रेरित होकर, हमें मलय विश्वविद्यालय में 'तिरुवल्लुवर चेयर' की स्थापना करने पर गर्व है। अब हम अपनी साझा विरासत को और मजबूत करने के लिए एक तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करेंगे।''

मोदी ने कहा कि विश्व में भारतीय मूल के लोगों का दूसरा सबसे बड़ा समुदाय मलेशिया में है और भारतीय और मलेशियाई लोगों के दिलों को जोड़ने वाली कई बातें हैं।

उन्होंने कहा, ''मैंने हाल में अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान 1.4 अरब भारतीयों के साथ साझा किया था कि मलेशिया में 500 से अधिक स्कूल बच्चों को भारतीय भाषाओं में पढ़ाते हैं।''

स्थायी निवास प्रमाण पत्र एसआईआर 2026 के लिए मान्य है : निर्वाचन आयोग

कोलकाता/भाषा। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत पात्रता निर्धारित करने के लिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र स्वीकार्य दस्तावेजों में से एक है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को भेजे गए एक पत्र में, आयोग ने पूर्व के पत्राचार का हवाला दिया और कहा कि 27 अक्टूबर, 2025 को जारी एसआईआर दिशानिर्देशों में स्थायी निवास प्रमाण पत्र को एक वैध दस्तावेज के रूप में स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अधिवास या स्थायी निवासी प्रमाण पत्र राज्य सरकार के दो नवंबर, 1999 के पत्र और बाद उसके सिलसिले में जारी किए गए आदेशों के अनुसार जारी किए जाते हैं। उसने स्पष्ट किया लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत सक्षम वैधानिक प्राधिकारी होने के नाते, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) केवल उन्हीं स्थायी निवास प्रमाण पत्रों को स्वीकार करेंगे जो अधिकृत प्रशासन द्वारा जारी किए गए हों।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत

भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीहोर (मध्य प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को दावा किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने विपक्ष के उन दावों को खारिज किया कि यह समझौता खेती-किसानी को बर्बाद कर देगा।

उनका यह बयान अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर मोदी सरकार पर कांग्रेस के निरंतर हमलों के बीच आया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वह इस बात से खुश हैं कि भारत में बने उत्पादों पर अब शुल्क घटकर 18 प्रतिशत रह जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी दबाव के आगे घुटने टेक दिए हैं और इस समझौते के जरिए भारतीय किसानों की कड़ी मेहनत को कथित रूप से बेच दिया गया है। चौहान ने सीहोर जिले में राष्ट्रीय दलहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा देश के सम्मान को सर्वोपरि रखा है और भारत को कभी झुकने नहीं दिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार चौहान ने कहा, ''कृषि मंत्री के रूप में मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमारे किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है, चाहे वह बासमती, चावल, मसाले हों या कपड़ा क्षेत्र।'' उन्होंने कहा कि निर्यात में वृद्धि से भारतीय किसानों के लिए नए बाजार खुलेंगे और उनकी आय कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा, ''कुछ लोगों श्रेरा इस समझौते को लेकर शोर मचाया जा रहा है कि यह विनाशकारी होगा। किसानों के हितों की पूरी रक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए समझौते के अनुसार, हमारी सभी फसलें सुरक्षित हैं। अमेरिका से कोई मक्का, गेहूं, चावल, सोयाबीन, पोल्ट्री उत्पाद, दूध, पनीर, एथनॉल, ईंधन या तंबाकू नहीं आएगा।''

सम्मेलन में उन्होंने लोगों और किसानों से आह्वान किया कि वे भारतीय किसानों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करें।

माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई से बस्तर में भय का अंत

विकास का नया सवेरा हो रहा : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि माओवादियों के खिलाफ सरकार की निर्णायक कार्रवाई ने बस्तर क्षेत्र में भय व अविश्वास के माहौल का अंत कर दिया है और विकास का एक नया सवेरा हो रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में तीन दिवसीय संभागीय स्तर के बस्तर पंडुम उत्सव का उद्घाटन करने के बाद हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से अपील कि वे संविधान और लोकतंत्र पर भरोसा रखें तथा शांति के मार्ग से विचलित करने की कोशिश करने वालों के बहकावे में नहीं आएं। उन्होंने कहा, ''बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं ने हमेशा लोगों को आकर्षित किया है लेकिन दुर्भाग्य से यह क्षेत्र वर्षों तक माओवाद के खतरे से पीड़ित रहा।''

मुर्मू ने कहा कि नक्सलवाद ने युवाओं, आदिवासियों और दलितों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि माओवादी गतिविधियों से जुड़े लोग अब हिंसा छोड़ रहे हैं, जिससे क्षेत्र में शांति लौट रही है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत सरकार श्रेरा माओवादियों के खिलाफ की गई निर्णायक कार्रवाई के परिणामस्वरूप भय और अविश्वास का माहौल खत्म हो गया।'' मुर्मू ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि मुख्यधारा में लौटने वाले लोग सामान्य और गरिमापूर्ण जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और छत्तीसगढ़ सरकार की 'नियाद नेल्लानार' पहल ग्रामीणों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुर्मू ने कहा कि गांवों में बिजली, सड़कें और पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है जबकि वर्षों से बंद पड़े स्कूल फिर से खुल रहे हैं। उन्होंने इसे ''बेहद उत्साहजनक तस्वीर'' करार दिया।

राष्ट्रपति ने कहा, सरकार के प्रयासों और जनता के सहयोग से बस्तर में विकास का एक नया सवेरा उदय हो रहा है। उन्होंने लोगों से व्यवस्था पर भरोसा रखने और कड़ी मेहनत एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया तथा लोकतंत्र को शक्ति का स्रोत बताया।

राष्ट्रपति ने कहा, ''हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल हुए लोगों से मैं अपील करती हूं कि वे संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखें तथा गुमराह करने वालों के बहकावे में नहीं आएं।'' उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से पिछड़े गांवों को विकास से जोड़ा जा रहा है।

राष्ट्रपति ने व्यक्तिगत और सामुदायिक विकास की नींव के रूप में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आदिवासी बच्चों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी क्षेत्रों में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय शुरू किए गए हैं।

सहज स्मृति योग

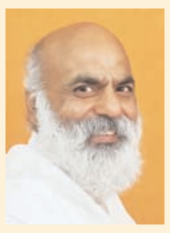

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप मानव चेतना की अनुभूति में आ सकने वाले गुणों में सर्वव्यापकता को पहला गुण बताते हैं सर्व शक्तिमान होने को नहीं। जबकि बिना शक्ति के तो कुछ हो ही नहीं सकता यह तो स्वत: सिद्ध है ?

उत्तर: जी, न केवल सबकुछ करने बल्कि कुछ भी करने या होने के लिए भी शक्ति चाहिए। शक्ति से ही सब कुछ होता है। किंतु, कुछ भी न होने या कुछ भी न करने के लिए शक्ति नहीं चाहिए। पर, शक्ति को शक्ति होने के लिए भी स्थान चाहिए। यहाँ तक कि कोई शक्ति सर्व व्यापी भी हो तो भी उसे अपने होने के लिए भी सर्वत्रता तो चाहिए ही यह न केवल स्वत: सिद्ध है बल्कि यथार्थ क्रम में प्राथमिक भी है। हम यथार्थ क्रम बताते हैं।

व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को होने वाले 44 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर लगेगा शून्य शुल्क : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के तहत अमेरिका को होने वाले लगभग 44 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर शून्य जवाबी शुल्क लगेगा। इस समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

भारत और अमेरिका ने घोषणा की है कि वे एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को मौजूदा 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, वहीं भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इनमें सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट शामिल हैं।

गोयल ने कहा, ''लगभग 44 अरब डॉलर मूल्य का भारतीय निर्यात (अमेरिका को) शून्य जवाबी शुल्क पर जाएगा।'' जहां लगभग 30 अरब डॉलर मूल्य की भारतीय वस्तुओं पर 18% शुल्क लगता रहेगा (जिसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों की वस्तुएं शामिल हैं), वहीं 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं (इस्पात, तांबा व कुछ वाहन घटक सहित) के शुल्क में कोई बदलाव नहीं होगा। इस्पात, एल्युमीनियम, तांबा और वाहन घटक पर ये शुल्क सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं। इसलिए ये केवल भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित नहीं करते हैं। इन उत्पादों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत शुल्क लगता है।

गोयल ने कहा कि शुल्क में कमी से कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते-चप्पल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात को तत्काल बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''जिस अंतरिम समझौते को अंतिम रूप दिया गया है, उसे जल्द ही हमारे संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त में बदल दिया जाएगा।'' यह समझौता 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक ''बहुत ही निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित'' समझौते पर पहुंचे हैं, जो भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी जवाबी शुल्क को घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता कई अवसर पैदा करेगा: बोइंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने शनिवार को कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता कई नए अवसर पैदा करेगा। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि उसने हमेशा एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए 'जीरो-फॉर-जीरो' (शून्य) शुल्क दृष्टिकोण की वकालत की है।

भारत और अमेरिका ने शनिवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर पहुंचने की घोषणा की है, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इस ढांचे के तहत जेनरिक दवाओं और विमान के पुर्जों सहित विभिन्न वस्तुओं पर शुल्क घटकर शून्य हो जाएगा। बोइंग इंडिया और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सलिल गुप्ते ने एक बयान में कहा कि यह समझौता कई गुना अवसर खोलता है। उन्होंने कहा, यह सौदा उस सिद्धांत को विस्तार देने के लिए गति प्रदान करता है जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी और दोनों देशों के लिए लाभ की स्थिति पैदा होगी। उन्होंने कहा कि बोइंग ने हमेशा एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए शून्य टैरिफ का समर्थन किया है क्योंकि यात्रा, कनेक्टिविटी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। समझौते पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए 'एकस' के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद मेलीगेरी ने कहा कि शुल्क हटने से नकदी के प्रवाह में सुधार होगा और आपूर्ति श्रृंखला के लिए लागत प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। एकस कंपनी एयरबस और अमेरिका स्थित बोइंग सहित विभिन्न कंपनियों को विमानन पुर्जों की आपूर्ति करती है।

बोत्सवाना से चीतों का नया जत्था फरवरी के अंत तक आने की संभावना है : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि अफ्रीका के बोत्सवाना से चीतों के एक नए जत्थे के फरवरी अंत तक आने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार, यादव ने बाघ संरक्षण में क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों की समीक्षा करने के लिए चार कार्य समूहों के गठन का आह्वान किया, जिनमें बाघों की आबादी में परिवर्तन और बाघ अभयारण्यों में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन करना भी शामिल है।

राजस्थान के अलवर में आयोजित दो दिवसीय 'बाघ संरक्षित क्षेत्र वाले राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन और बाघ अभयारण्यों के फील्ड निदेशकों के सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं और यह एक व्यापक नीतिगत समीक्षा का उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में लिए गए नीतिगत निर्णयों को एक औपचारिक नीति वक्तव्य में समेकित किया जाना चाहिए और इस मुद्दे को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की अगली बैठक में पहले एजेंडा आइटम के रूप में रखा जाना चाहिए।

यादव ने कहा, भारत ने सफलतापूर्वक एक ऐसी जंगली प्रजाति का अंतरराष्ट्रीय स्थानांतरण किया है जो देश में विलुप्त हो चुकी थी, और यह परियोजना अब चीतों की तीसरी भारतीय पीढ़ी तक पहुंच चुकी है। बोत्सवाना से चीतों का एक नया जत्था फरवरी के अंत तक आने की संभावना है।'' उन्होंने कहा कि बाघों और अन्य जंगली जानवरों के मुख्य क्षेत्रों से बाहर निकलने के कारण मजबूत प्रतिक्रिया प्रणालियों की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भाजपा ने भारत-अमेरिका समझौते पर रमेश की टिप्पणी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के लिए ''काफी लाभकारी'' होगा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह हमेशा देश की आर्थिक वृद्धि के खिलाफ रहती है।

भाजपा की यह टिप्पणी कांग्रेस से शनिवार को यह दावा करने के बाद आयी कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर जारी संयुक्त बयान से स्पष्ट हो गया है कि ''गले मिलन वाली कूटनीति और तस्वीरें खिंचवाने का भारत के लिए कुछ खास नतीजा नहीं निकला।'' भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने रमेश पर पलटवार करते हुए दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर समझौता करने वाले के रूप में उभरते देखकर कांग्रेस स्पष्ट रूप से असहज है। भंडारी ने 'एक्स' पर पोस्ट करके सवाल किया, ''कांग्रेस भारत के लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), किसानों और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का हमेशा विरोध क्यों करती है?'' भाजपा के नेता भंडारी ने कहा, ''कांग्रेस यह पचा नहीं पा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यूरोपीय संघ के साथ 'सबसे बड़ा समझौता' और अब अमेरिका के साथ एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे हमारे किसानों, निर्यातकों और एमएसएमई के लिए 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक अवसर पैदा हुआ है।''

कांग्रेस अपनी 'तुष्टीकरण' नीतियों से विभाजन के बीज बो रही है: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस अपनी ''तुष्टीकरण की नीतियों'' के जरिये लोगों के बीच विभाजन के बीज बो रही है। फडणवीस ने यहां से लगभग 300 किलोमीटर दूर सिरपुर कागजनगर में तेलंगाना में 11 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को लगता है कि वह कुछ लोगों को खुश करके राज्य की सत्ता में बने रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, ''उन्होंने (रेड्डी ने) एक खतरनाक खेल शुरू किया। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि कुछ कांग्रेस नेताओं ने स्वतंत्रता से पहले इसी तरह का खेल शुरू किया था। इसका नतीजा यह हुआ कि देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान तथा फिर बांग्लादेश का गठन हुआ।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार भी इसी तरह की ''विभाजनकारी नीतियों'' का पालन कर रही है और लोगों को धार्मिक आधार पर बांट रही है तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से आरक्षण छीनकर अन्य धर्मों के लोगों को आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा, ''एक तरह से, कांग्रेस विभाजन के बीज बो रही है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कस्बों और शहरों के विकास के लिए धनराशि उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल में महाराष्ट्र में हुए नगर निकाय चुनावों में भाजपा की जीत की हवा तेलंगाना तक पहुंचेगी।

स्कूल में छात्र ने शिक्षिका को थप्पड़ जड़ा, कहा : घर में मुझसे कोई कुछ नहीं कहता, तो आप कौन हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पंचमहल (गुजरात)/भाषा। पंचमहल जिले में 12वीं कक्षा की प्रारंभिक परीक्षा में देर से आने पर मामूली फटकार लगाये जाने से एक विद्यार्थी इतना नाराज हो गया कि उसने कथित तौर पर महिला पर्यवेक्षक को थप्पड़ मार दिया, क्योंकि उसने (शिक्षिका ने) उसके इस व्यवहार पर सवाल उठाने की 'हिम्मत' की थी।

पुलिस ने बताया कि बाद में वह विद्यार्थी अपने पिता और कुछ अन्य लोगों के साथ स्कूल लौटा तथा अकेले रहने वाली अध्यापिका को नुकसान पहुंचाने की कथित तौर पर धमकी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 24 फरवरी को हुई जिसका सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, फलस्वरूप लोगों ने नाराजगी व्यक्त की और फिर पुलिस ने आरोपियों को सार्वजनिक रूप से पेश किया।

पुलिस निरीक्षक अंकुर चौधरी ने कहा कि पुलिस ने घटनाक्रम को समझने के लिए अपराध का नाट्य रूपांतरण किया। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी को पंचमहल जिले में शेहरा कस्बे के एस.जे. दवे हाई स्कूल में यह घटना हुई जिसके सिलसिले में तीन फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई।

चौधरी ने बताया कि 18 वर्षीय इस विद्यार्थी को बाद में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे शुक्रवार को जमानत पर रिहा कर दिया।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए मंत्री विजय शाह ने फिर माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियों के विवाद से घिरे मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री विजय शाह ने शनिवार को एक बार फिर माफी मांगी और कहा कि विवादास्पद बयान के पीछे उनका मकसद किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग के अपमान का कतई नहीं था।

शाह ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''मैंने पहले भी कई बार कहा है और आज फिर दोहरा रहा हूं कि मेरे बयान के पीछे ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि इससे किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना या समाज के किसी भी वर्ग का अपमान हो।'' उन्होंने कहा,''निस्संदेह मेरे शब्द मेरी भावना के अनुरूप नहीं थे। ये शब्द देशभक्ति के उत्साह, उत्तेजना और आवेश में निकले थे। गलती के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए। आप सब जानते हैं कि मेरी कोई दुर्भावना भी नहीं थी। शाह ने कहा कि विवादास्पद टिप्पणी के लिए उन्होंने अंत:करण से बार-बार क्षमा-याचना की है और वह आज एक बार फिर माफी मांग रहे हैं। उन्होंने कहा,''मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक है कि मेरी छोटी-सी त्रुटि से ऐसा विवाद उत्पन्न हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरी भावना को सही संदर्भ में देखा जाएगा। भारतीय सेना के प्रति मेरे मन में सदैव सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा।''काबीना मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में 'शब्दों की मर्यादा और संवेदनशीलता' अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा,''इस घटना से मैंने आत्ममंथन किया है और सबक लिया है। मैं अपनी जिम्मेदारी मानता हूं। भविष्य में वाणी पर मेरा नियंत्रण रहेगा और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। एक बार पुन: मैं इस प्रकरण से आहत सभी नागरिकों, विशेषकर भारतीय सेना से अंत:करण से माफी मांगता हूं।''

एसबीआई का मुनाफा तीसरी तिमाही में 13 प्रतिशत बढ़कर 21,317 करोड़ रुपए पर

मुंबई/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की दिसंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 13.06 प्रतिशत बढ़कर 21,317 करोड़ रुपए रहा। सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक ने पिछले साल की इसी अवधि में 18,853 करोड़ रुपए व पिछली सितंबर 2025 तिमाही में 21,137 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता का एकल आधार पर शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 24.48 प्रतिशत बढ़कर 21,028 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 16,891 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर कुल आय बढ़कर 1,40,915 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,28,467 करोड़ रुपए थी। इस दौरान कुल खर्च 1,04,917 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,08,052 करोड़ रुपए हो गया। बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) का अनुपात 31 दिसंबर, 2025 तक बेहतर होकर 1.57 प्रतिशत रहा, जो सितंबर 2025 में 1.73 प्रतिशत था।

बाइक सवार की मौत मामला: दुर्घटना की सूचना अधिकारियों को न देने का आरोपी उप-ठेकेदार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड श्रेरा खोदे गए गड्ढे में बाइक सवार के गिरने की सूचना अधिकारियों को न देने के आरोप में एक उप-ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) दराडे शरद भास्कर ने बताया कि जांच के अनुसार, इस मामले की जानकारी पुलिस के संज्ञान में आने से कुछ घंटे पहले ही राजेश कुमार प्रजापति (47) को पता था कि कोई व्यक्ति गड्ढे में गिर गया है। पुलिस के अनुसार, एक प्रत्यक्षदर्शी विपिन सिंह, जो एक शादी में शामिल होने के बाद सागरपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे, ने देखा कि एक मोटरसाइकिल खाई में गिर गई है और उन्होंने पास के एक गैरेज के सुरक्षा गार्ड को इसकी सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''गार्ड ने तुरंत योगेश नामक एक मजदूर को सूचित किया, जिसने खाई में झांका और पाया कि मोटरसाइकिल की हेडलाइट जल रही थी और अंदर एक व्यक्ति दिखाई दे रहा था।'' पुलिस ने बताया कि फोन पर बातचीत के रिकॉर्ड से पता चला कि योगेश ने रात करीब 12:22 बजे प्रजापति को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद वह 15-20 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गया। हालांकि, प्रजापति ने उस समय न तो पुलिस को और न ही किसी आपातकालीन प्राधिकरण को सूचना दी। भास्कर ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को अगली सुबह करीब आठ बजे मिली।

दिल्ली में टैक्सी चालकों का प्रदर्शन, नियमन और बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध की मांग

नई दिल्ली/भाषा। ऐप-आधारित और पारंपरिक टैक्सी चालकों ने शनिवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी इस क्षेत्र के लिए नियम बनाने और बाइक टैक्सी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे थे।

'राष्ट्रीय ड्राइवर संयुक्त मोर्चा समिति' और 'ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी कांग्रेस यूनियन' के बैनर तले कई टैक्सी चालक यूनियन ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान चालकों ने मूल्य निर्धारण, नीति और टैक्सी के रूप में निजी वाहनों के उपयोग पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी कांग्रेस यूनियन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा, हमारे पास मांगों की एक सूची है जिसे हम केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को सौंपना चाहते हैं। चालकों के कल्याण के लिए एक 'राष्ट्रीय चालक आयोग' का गठन होना चाहिए और देशभर में निजी बाइक टैक्सियों पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म पर लगने वाली 'सर्ज प्राइसिंग' (किराये में बढ़ोतरी) का मुद्दा उठाते हुए वर्मा ने कहा कि इसका समाधान किया जाना चाहिए क्योंकि इसका लाभ चालकों को नहीं मिलता, जबकि लोगों को लगता है कि चालक ज्यादा पैसा कमा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने टैक्सी के रूप में निजी वाहनों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाने की मांग की।

गरियाबंद में भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार जब्त किए गए

गरियाबंद/भाषा। छत्तीसगढ़ में गरियाबंद जिले के पहाड़ी इलाकों में छह स्थानों से सुरक्षाबलों ने नक्सलियों श्रेरा छिपाकर रखे गए हथियार, गोला-बारूद और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ओडिशा से सटे मैनपुर थानाक्षेत्र में भालुदिग्गी और मेटल पहाड़ियों में सुरक्षाबलों ने शनिवार तक 36 घंटे का अभियान चलाया जिस दौरान माओवादियों के इन हथियारों के भंडार का पता चला। उन्होंने कहा कि इस माह के शुरू में आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों ने सूचना दी थी कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा से सटी इन पहाड़ियों पर विभिन्न स्थानों पर प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की ओडिशा प्रदेश समिति के शीर्ष नेतृत्व ने स्वचालित हथियार एवं आयुध निर्माण उपकरण छिपा रखे हैं जिसके बाद जिला पुलिस बल की विशेष ई-30 इकाई ने शुक्रवार को अभियान शुरू किया।

अजित पवार की मौत पर संदेह बरकरार : रोहित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे।

बारामती में जिला परिषद चुनाव में अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि अजित पवार चाहते थे कि राकांपा के दोनों गुट एकजुट हो जाएं और विलय की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के लिए चुनाव शनिवार को हुए। यह मतदान मूल रूप से पांच फरवरी को होना था, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। दिवंगत राकांपा प्रमुख के भतीजे रोहित पवार ने कहा, ''हर किसी के मन में (दुर्घटना के बारे में) सवाल और संदेह हैं। मैं 10 फरवरी को मुंबई में एक प्रस्तुति दूंगा। दुर्घटना क्यों हुई और यह कैसे हुई होगी, ये मुद्दे 10 फरवरी को उठाए जाएंगे।''

जिला परिषद चुनाव के लिए राकांपा (शप) और राकांपा ने हाथ मिलाया है और दोनों 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं। अजित पवार राकांपा के प्रमुख थे, जबकि उनके चाचा शरद पवार राकांपा (शप) के प्रमुख हैं। अहिल्यानगर जिले के कर्जत-जामखेड विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं की बेहतरी की कामना करते थे और चाहते थे कि जो लोग उनकी विचारधारा साझा करते हैं वे निर्वाचित हों। उन्होंने कहा कि दिवंगत राकांपा प्रमुख को दोनों गुटों के बीच विलय की उम्मीद थी। रोहित पवार ने कहा, ''अजित दादा की दिली इच्छा थी कि सभी एक परिवार के रूप में साथ आएं और उसी तरह आज सभी एक साथ आए हैं। दादा ने प्रयास किए थे। हम भी इसी तरह प्रयास करते रहेंगे। परिवार अभी भी एकजुट है।'' विपक्षी विधायक ने कहा कि वह 12 फरवरी को विलय के पीछे की मंशा बताएंगे। उन्होंने कहा, विलय क्यों और किसके लिए होना था? अजित दादा की असली मंशा क्या थी? क्या इसका कोई राजनीतिक आयाम था या भावनात्मक? मैं इसे 12 फरवरी को बताऊंगा।

अजित पवार की मौत के संबंध में रोहित पवार के बयान के बारे में पूछे जाने पर, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने कहा कि राकांपा विधायक और अजित पवार के करीबी सहयोगी अमोल मिटकरी, राकांपा नेता और मंत्री छगन भुजबल व राकांपा (शप) सांसद बजरंग सोनावणे ने दुर्घटना के बारे में संदेह व्यक्त किया है।

नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन की नहीं है कोई योजना : अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि सरकार का फिलहाल नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन का कोई इरादा नहीं है और वह पहले से स्वीकृत इकाइयों को सुचारू रूप से चलाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में नई प्रशासनिक इकाइयों की मांग को लेकर विधानसभा में सदस्यों श्रेरा पूछे गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने सदन में कहा, यह मुद्दा यहीं समाप्त हो जाना चाहिए। फिलहाल सरकार का नई प्रशासनिक इकाइयां खोलने का कोई इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले से गठित इकाइयां ठीक से चालू नहीं हो पाई हैं। उन्होंने कहा, ''इन्हें चालू करना, इन्हें सुचारू रूप से चलाना और जहां भी कमियां हैं, वहां व्यवस्थाएं लागू करना हमारी जिम्मेदारी है।'' अब्दुल्ला ने कहा कि विधायकों ने शिकायत की है कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में स्थापित की गई इकाइयां चालू नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा, जो इकाइयां खोली गई हैं, वे चालू नहीं हुई हैं। हमारी पहली जिम्मेदारी उन्हें चालू करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, इन प्रशासनिक इकाइयों के चालू हो जाने के बाद, जहां भी नई प्रशासनिक इकाइयां स्थापित करने की आवश्यकता होगी, हम आवश्यक कदम उठाएंगे। विधानसभा में विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और मनमाने ढंग से नई प्रशासनिक इकाइयां नहीं बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर, 2014 को नौ नए उप-मंडल, 50 तहसील और 99 नियाबत स्वीकृत किए थे, जिसके तहत लोहाई और दुग्गन को भी तहसील बनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आदेश बाद में 2018 में स्थगित कर दिया गया था, लेकिन कुपवाड़ा ज़िले के विलगाम व क़लामाबाद, बारामूला ज़िले के सिंहपोरा और नरवाव, डोडा ज़िले के भेला व रामबन ज़िले के रामसू में बनाए गए तहसील इससे अलग रहे और वहाँ यह आदेश लागू रहा।

बेंगलूरु-मुंबई प्रीमियम ट्रेन सेवा जल्द शुरू होगी : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि बेंगलूरु से मुंबई के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवा जल्द शुरू होगी। वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक को इस वर्ष के रेलवे बजट में रिकॉर्ड 7,748 करोड़ रुपये आवंटित किये गए हैं, जो कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान आवंटित राशि से नौ गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में रेलवे का कुल निवेश 52,950 करोड़ रुपये है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, बड़े पैमाने पर निवेश में रेल पटरियों का विस्तारीकरण, स्टेशन पुनर्विकास, सुरक्षा, घोषणाएं, बेंगलूरु उपनगरीय क्षेत्र और कर्नाटक में कई नई परियोजनाएं शामिल होंगी।

रेलमंत्री ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, बहुत जल्द हम बेंगलूरु से मुंबई के लिए प्रीमियम ट्रेन सेवा शुरू करेंगे। तेजस्वी (सूर्या) जी (बेंगलूरु दक्षिण के सांसद) ने इस संबंध में संपर्क किया था, साथ ही कई अन्य अनुरोध भी प्राप्त हुए हैं। कई खंडों का दोहरीकरण किया जा रहा है, इसलिए बहुत जल्द हमारे पास और भी कई सेवाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा, अभी विद्युतीकरण के लिए परीक्षण और प्रमाणन प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही ये प्रक्रियाएं पूरी हो जाएंगी, हम जल्द ही आपके साथ विवरण साझा करेंगे।' रेल मंत्री ने भूमि अधिग्रहण के संबंध में कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की सहमति हासिल करने का प्रयास जारी रखे हुए है क्योंकि भूमि राज्य का विषय है।

उन्होंने कहा, हम कई परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण के लिए राज्य सरकार से लगातार संपर्क बनाए रखे हुए हैं। हम सहकारी संघवाद में विश्वास रखते हैं। इसलिए हम राज्य सरकार से भूमि अधिग्रहण का अनुरोध करते रहते हैं। मैं किसी एक मुद्दे या परियोजना का विशेष उल्लेख नहीं करना चाहता। यदि आवश्यक हो, तो मैं विस्तृत जानकारी दे सकता हूं। लेकिन मैं किसी पर दोषारोपण नहीं करना चाहता। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी का एक ही उद्देश्य जनता और अपने राज्यों के हित में काम करना हो।

वैष्णव ने कहा कि एक रेलवे अधिकारी को के-राइड का प्रबंध निदेशक नियुक्त किए जाने के बाद बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना में प्रगति हुई है। उन्होंने कहा,अब हमारे पास डिजाइन तैयार हैं। हमने निविदा दस्तावेज भी तैयार कर लिए हैं। रेलमंत्री ने यशवंतपुर-कोलार लाइन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अपनी सहमति वापस ले ली है। उन्होंने कहा, इसलिए हम राज्य सरकार से इसके लिए सहमति देने का अनुरोध करेंगे, क्योंकि बेंगलूरु का विकास बहुत महत्वपूर्ण है। हमें बेंगलूरु की क्षमता को दोगुना करना होगा। तभी हम मांग को पूरा कर पाएंगे। राज्य के लिए हमें अधिक से अधिक रेलवे लाइनें बनानी होंगी।

तीन व्यक्ति विदेशी पर्यटकों के साथ सामूहिक बलात्कार एवं अन्य की हत्या के दोषी ठहराए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती (कर्नाटक)। कर्नाटक में कोप्पल जिले की एक अदालत ने हम्पी के पास एक विदेशी समेत दो महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार और एक पुरुष पर्यटक की हत्या के मामले में तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अदालत 16 फरवरी को अभियुक्तों की दलीलें सुनने के बाद उन्हें सजा सुनायेगी। यह वारदात पिछले साल मार्च में सनापुरा में विश्व धरोहर स्थल हम्पी के निकट 'तुंगभद्रा बायां तट नहर' के पास हुई थी।

पुलिस के अनुसार जिन तीन लोगों को दोषी ठहराया गया है, वे छह मार्च, 2025 की रात को इन दो महिलाओं और उनके तीन अन्य पुरुष पर्यटक मित्रों के पास पहुंचे थे एवं उनसे पैसे मांगे थे। पुलिस का कहना है कि जब पीड़ितों ने पैसे देने से मना कर दिया तब तीनों अभियुक्तों ने तीनों पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल दिया तथा दोनों महिलाओं के साथ बलात्कार किया।

पुलिस के अनुसार इन महिलाओं में एक इजराइली पर्यटक थी एवं दूसरी होमस्टे की संचालिका थी।

पुलिस का कहना है कि नहर में धकेले दिये गये लोगों में से दो तैरकर सुरक्षित बाहर आ गये, जबकि तीसरा पर्यटक नहर में डूब गया, वह ओड़िशा का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को अदालत ने मल्लेश, साई और शरणप्पा को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत हत्या, सामूहिक बलात्कार, दुष्कर्म, हत्या के प्रयास और डकैती समेत कई अपराधों को लेकर दोषी ठहराया। पुलिस के मुताबिक इन अभियुक्तों का अदालत में पेश किया गया था।

अवस्थी, देशपांडे ने कर्नाटक के खिलाफ मुंबई की वापसी की अगुवाई की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/बेंगलूरु। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी और तुषार देशपांडे ने मुंबई की मजबूत वापसी की अगुवाई की जिससे टीम ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन कर्नाटक पर दूसरी पारी में 136 रन की बढ़त हासिल कर ली।

पहले दिन महज 120 रन पर ऑल आउट होने वाली मुंबई की टीम ने अवस्थी (27 रन देकर चार विकेट) और देशपांडे (33 रन देकर चार विकेट) की गेंदबाजी की बदौलत शानदार वापसी की। कर्नाटक ने सुबह दो विकेट पर 110 रन से आगे खेलना शुरू किया। देशपांडे और अवस्थी ने परिस्थितियों का फायदा उठाया जिससे कर्नाटक ने सिर्फ 63 रन पर आठ विकेट गंवा दिए।

उनके आठ बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचने में विफल रहे और टीम आखिरकार 173 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे उसे पहली पारी में 53 रन की मामूली बढ़त से ही संतोष करना पड़ा। उसके लिए मयंक अग्रवाल ने 134 गेंद में 92 रन बनाए। फिर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (36) और अखिल हेरवाडकर (33) ने सिर्फ 12.2 ओवर में 77 रन बनाकर बढ़त को खत्म कर दिया।

हालांकि दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी-जल्दी आउट हो गए। हेरवाडकर एक गलतफहमी के बाद रन आउट हो गए और जायसवाल अगले ही ओवर में श्रेयस गोपाल की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। आकाश आनंद (नाबाद 53 रन) और मुशीर खान (49) ने फिर 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी से पारी को संभाला जिससे मुंबई ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई का स्कोर दो विकेट पर 189 रन था।

समय बताएगा कि मैं मुख्यमंत्री कब बनूंगा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री कब बनेंहे इसका फैसला समय ही करेगा और इस संबंध में कांग्रेस आलाकमान के निर्णय का पालन करना होगा। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार की ये टिप्पणियां मुख्यमंत्री पद को लेकर उनके और सिद्दरामय्या के बीच जारी कथित सत्ता संघर्ष के दौरान आई हैं।

सिद्दरामय्या के बेटे यतींद्र ने कहा कि उनके पिता अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और पार्टी आला कमान ने इसके संकेत दे दिए हैं। शिवकुमार ने लोगों और समर्थकों की उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा, लोगों, विधायकों, आप (मीडिया) और सभी की यही इच्छा है लेकिन हमें पार्टी के निर्देशों का पालन करना चाहिए। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या कुछ दिनों में पेश होने वाले राज्य बजट के बाद उनके मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद की जा सकती है, तो शिवकुमार ने कहा, समय ही बताएगा। उन्होंने चिकमंगलुरु दौरे के दौरान कुछ दलित संगठनों द्वारा गृह मंत्री जी. परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाने की मांग के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसमें क्या गलत है? शिवकुमार ने कहा, समर्थक अपनी इच्छा व्यक्त करते हैं (अपने नेता को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं), हम उन्हें ऐसा न करने के लिए नहीं कह सकते।

नेता प्रतिपक्ष का सिद्दरामय्या, शिवकुमार के बीच 'जंग' का दावा; जीबीए चुनाव से पहले कांग्रेस पर निशाना

बेंगलूरु। कनार्टक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर जंग शुरू हो गई है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कुशासन का आरोप लगाते हुए भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस साल के अंत में होने वाले ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के चुनाव में जीबीए के अंतर्गत आने वाले सभी पांच नगर निगमों में जीत हासिल करेगी। अशोक ने शुक्रवार को दावा किया, लड़ाई एक बार फिर शुरू हो गई है। डीके (शिवकुमार) बनाम सिद्दरामय्या... मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए जंग शुरू हो गई है। यतींद्र सिद्दरामय्या (मुख्यमंत्री के बेटे और एमएलसी) ने एक बार फिर यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया है कि उनके पिता पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा, जब सभी कांग्रेस नेता और विधायक कह रहे हैं कि आलाकमान का फैसला अंतिम है तो यतींद्र का यह बयान दिखाता है कि वह आलाकमान किसे मानते हैं। अशोक ने पत्रकारों के साथ बातचीत में दिल्ली में कांग्रेस के आलाकमान को मृत, शक्तिहीन और मूल्यहीन करार दिया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए संघर्ष फिर से शुरू हो गया है और विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद यह रोजाना जारी रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में जनता कांग्रेस को उसके कुशासन और कुप्रशासन का सबक सिखाएगी।

दांडेली-अलनावर के बीच नई डेमू ट्रेन सेवा शुरू हुई

रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को दांडेली और अलनावर के बीच चलने वाले नई डेमू पैसेंजर ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर दांडेली से रवाना किया। डेमू सेवाओं की शुरुआत से उत्तर कन्नड़ और धारवाड़ जिलों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है, जिससे बहुत ज़रूरी रेल कनेक्टिविटी फिर से बहाल हुई है, जो कोरोना-19 महामारी के दौरान निलंबित कर दी गई थी।

झंडी दिखाने के समारोह में उत्तर कन्नड़ के सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, हालियाल के विधायक आरवी. देशपांडे, दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एस.पी शास्त्री, डीआरएम हुब्बल्ली बेला मीना, वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स के प्रबंध निदेशक राजेंद्र जैन और कोंकण क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक आशा शेट्टी के साथ ही अन्य जन प्रतिनिधि और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे।

इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए वी. सोमन्ना ने केंद्रीय बजट 2026-27 में कर्नाटक में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पर दिए गए ज़ोर पर प्रकाश डाला, जिसके तहत राज्य में रेलवे परियोजनाओं के लिए 7,748 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण आवंटन रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने, यात्री सुविधाओं में सुधार करने और पूरे कर्नाटक में क्षेत्रीय विकास में तेजी लाने के लिए भारत सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दांडेली-अलनावर सेक्शन पर डेमू सेवाओं की फिर से शुरुआत से पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, जिससे दांडेली और अन्य इको-टूरिज्म स्थलों तक पहुंच आसान होगी, साथ ही स्थानीय निवासियों के लिए रोज़गार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी उत्तर कन्नड़ और धारवाड़ जिलों में सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उद्घाटन

हुब्बली केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कर्नाटक के हुब्बली में हुब्बली इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल 2026 और धारवाड़ सांसद क्रीड़ा महोत्सव का उद्घाटन किया।

अभिनेता मनियनपिल्ला राजू से जुड़े हादसे की जांच में एसएचओ का बयान दर्ज किया गया

तिरुवनंतपुरम। अभिनेता मनियनपिल्ला राजू के खिलाफ दर्ज दुर्घटना के मामले में कथित खामियों की जांच के तहत शनिवार को म्यूजियम पुलिस थाने के प्रभारी का बयान पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) द्वारा दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े नौ बजे वेल्लायंबलम-वाझुथक्कड़ मार्ग पर त्रिवेंद्रम क्लब के पास राजू की कार की एक मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई, जिसमें दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि राजू ने दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी नहीं रोकी और घटनास्थल से फरार हो गया, लेकिन बाद में शुक्रवार सुबह पुलिस थाने में हाजिर हुआ। खून की जांच के बाद उसकी गिरफ्तारी दर्ज की गई और उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। राजू को हिरासत में लेने में देरी के आरोपों के बाद, तिरुवनंतपुरम शहर के पुलिस आयुक्त के. कार्तिक ने जांच के आदेश दिए। जांच के तहत, पुलिस उपायुक्त रैंक के एक अधिकारी ने थाना प्रभारी का बयान दर्ज किया और राजू को हिरासत में लेने में हुई देरी का कारण पूछा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने घटना से संबंधित जानकारी जुटा ली है और पुलिस आयुक्त को रिपोर्ट सौंपेगी।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र जनस्वास्थ्य की रीढ़ है : डॉ. भगवन बीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज़ के कुलपति डॉ. भगवन बीसी ने शहर के निट्टे कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज़ में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि फार्मास्युटिकल क्षेत्र केवल एक व्यावसायिक उद्योग नहीं, बल्कि आधुनिक जनस्वास्थ्य का एक मजबूत स्तंभ है। उपचार स्वास्थ्य सेवा का केवल एक पक्ष है, जबकि रोकथाम जनस्वास्थ्य की सबसे आवश्यक रणनीति है। चेचक उन्मूलन से लेकर एचआईवी/एड्स के प्रबंधन और कोविड-19 महामारी के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया तक, फार्मास्यूटिकल क्षेत्र ने बार-बार मानव स्वास्थ्य की दिशा बदलने की अपनी क्षमता सिद्ध की है। डॉ. भगवन ने कहा कि नवस्नातक फार्मेसी छात्र सौभाग्यशाली हैं, क्योंकि उन्हें बहुविषयक एवं एकीकृत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आने वाले समय में यही फार्मासिस्ट रोगियों को अपनी बीमारियों का बेहतर प्रबंधन करने

और संकट की संभावनाओं को कम करने में सक्षम बनाएंगे। उन्होंने बताया कि आरजीयूएचएस भारत में पहली बार छात्र अनुसंधान निधि उपलब्ध करा रहा है, जिससे शोध संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। दीक्षांत समारोह में कुल 63 विद्यार्थियों को बी.फार्मा की उपाधि प्रदान की गई, जिनमें से अधिकांश ने विशिष्ट श्रेणी में सफलता प्राप्त की। विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर लावण्या को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि तेजहना कंसल्टिंग एलएलपी के संस्थापक डॉ. क्रथिश बोपन्ना ने कहा कि भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग, जो दो दशकपहले तक नगण्य था, आज वैश्विक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता निट्टे के कुलपति डॉ. एम.एस. मुदिथाया ने की। उन्होंने नवस्नातकों से अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सहित आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर निट्टे मीनाक्षी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ. एचसी नागराज विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कार्यकारी समिति सदस्य डॉ. करुणाकरा राय, स्नातक विद्यार्थियों के अभिभावक तथा निट्टे संस्थानों के विभिन्न विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।कार्यक्रम के प्रारंभ में निट्टे कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज़ की प्राचार्य डॉ. वी कुसुम देवी ने स्वागत किया, जबकि प्रो. वेदा बी. हचोल्ली ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. एसडब्ल्यूआर-एसबीसी फायर अलार्म-सिस्टम दिनांक 02.02.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
एसडब्ल्यूआर-बैंगलुरू डिविजन- बैंगलुरू डिविजन के भीतर स्टेशनों पर फायर अलार्म सिस्टम एवं एस्पाइरेशन टाइप सिस्टम का प्रावधान।	रु. 1,98,02,125.00/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 24.02.2026 को 12.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर, बैंगलुरू
PUB/875/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway-SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

जयपुर के आवासीय इलाके में फिर दिखा तेंदुआ

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर के एक आवासीय इलाके में शनिवार को एक फिर तेंदुआ नजर आया, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आगरा रोड पर सूर्य सिटी कॉलोनी में शनिवार तड़के एक तेंदुआ देखा गया। उन्होंने बताया कि तेंदुआ एक घंटे से ज्यादा समय तक कॉलोनी में घूमता रहा और सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में तेंदुए को सड़क पर घूमते हुए देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया लेकिन उसका पता नहीं चला। क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ सड़क पर घूमता और एक कुत्ते के पास जाता हुआ दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर रात में उस जगह पर पिंजरा लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि तेंदुआ शायद पास के जंगल में वापस चला गया होगा। अधिकारियों ने इलाके के लोगों से खासकर रात के समय, सावधान रहने की सलाह दी है।

राजस्थान में कुछ दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में अगले तीन से चार दिन मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में आंशिक वृद्धि का अनुमान है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, शनिवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। राजस्थान में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 32.6 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) और नागौर में 5.9 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया कि राज्य में अगले तीन से चार दिन मौसम शुष्क रहेगा हालांकि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण बने परिसंचरण तंत्र की वजह से हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। विभाग ने बताया कि राज्य के अधिकांश भागों में अगले तीन से चार दिन तापमान में आंशिक बढोतरी जारी रहेगी। विभाग के मुताबिक, एक नया पश्चिमी विक्षोभ नौ फरवरी से उत्तर पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है।

बांसवाड़ा जिले में सड़क हादसे में तीन की मौत, 25 से अधिक घायल

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में शुक्रवार को बारातियों से भरी एक बस के पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 25 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा कलिंजरा थानाक्षेत्र में तब हुआ जब बारात लेकर जा रही बस घोटिया आम्बा घाटी में अनियंत्रित होकर पलट गई। उसने बताया कि हादसे के बाद कई यात्री बस के नीचे दब गए जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद ने पुलिसकर्मियों ने बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। उनमें से कई को बाद में बांसवाड़ा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जबकि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पेड़ काटने को लेकर झगड़े में बुजुर्ग की मौत

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में शुक्रवार को पेड़ काटने को लेकर हुए झगड़े में 65 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई और उसके परिवार के कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामला बगड़ तिराया थाना इलाके का है। जहां रिश्तेदारों के बीच कहा-सुनी हिंसा में बदल गई। आरोपी ने कथित तौर पर अपने चचेरे भाई पर कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बेरे गांव के अकरम हुसैन ने बताया कि झगड़ा एक दिन पहले शुरू हुआ था जब उसके पिता के चचेरे भाई फकरू व उसके बेटों ने उनके नीम के पेड़ की डालियां काट दीं। हुसैन ने बताया कि शुक्रवार को फकरू अपने बेटों और परिवार के सदस्यों के साथ फिर से पेड़ काटने आया। जब उसके पिता बली (65) ने इसका विरोध किया तो फकरू ने कथित तौर पर उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि जब वह अपने पिता को बचाने के लिए बीच-बचाव करने दौड़े तो आरोपी ने कथित तौर पर उन पर भी हमला कर दिया। अकरम हुसैन को भी गंभीर चोटें आईं, जबकि परिवार की तीन महिलाएं भी इस घटना में घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि घायल बली को अस्पताल ले जाया गया जहां ज्यादा खून बहने की वजह से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी और उसका परिवार मौके से फरार हो गया।

सलमान खान के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने पर रोक

जयपुर। राजस्थान उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने भ्रामक विज्ञापन के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा अभिनेता सलमान खान के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने पर शुक्रवार को रोक लगा दी। राज्य आयोग ने शुक्रवार को एक पान मसाला कंपनी और सलमान खान द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई की। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर-द्वितीय के पीठासीन अधिकारी ने योगेंद्र सिंह द्वारा दायर अवमानना याचिका पर अलग से सुनवाई की। सलमान खान के वकील ने राज्य आयोग को बताया कि जिला उपभोक्ता आयोग ने बिना समन जारी किए जमानती वारंट जारी किया था,और अब गैर-जमानती वारंट जारी करने की प्रक्रिया में है। वकील ने कहा कि जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध करने वाली एक अर्जी भी जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर-द्वितीय के समक्ष लंबित है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य आयोग ने जिला आयोग को लंबित अर्जी पर जल्द से जल्द सुनवाई करने का निर्देश दिया और जमानती वारंट तामील होने तक गैर-जमानती वारंट जारी करने से रोक दिया।जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर-द्वितीय ने अभिनेता के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था और उन्हें छह फरवरी को पेश होने का निर्देश दिया था।

जनगणना संवैधानिक दायित्व, इसे राष्ट्रीय कर्तव्य मानकर पूरा करें : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशीलता के साथ संभव हो पाता है। इसलिए सभी कार्मिक जनगणना कार्य को राष्ट्रीय कर्तव्य मानकर पूरी निष्ठा से संपन्न करें।

शर्मा शनिवार को जनगणना-2027 पर वर्चुअली आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनगणना के पहले चरण अर्थात मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का काम जितना सटीक होगा, व्यक्तियों की गणना का अगला चरण उतना ही त्रुटि रहित और सही होगा। उन्होंने कहा कि जनगणना हमारा संवैधानिक दायित्व है। इससे प्राप्त आंकड़े हमें विकास के स्तर और अपने लक्ष्यों तक पहुंचने की जरूरतों के बारे में बताते हैं। पुख्ता आंकड़ों से ही गांव-शहरों के व्यक्तियों और परिवारों की स्थिति, बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल, चिकित्सालय, घरेलू गैस कनेक्शन आदि की उपलब्धता और आवश्यकता के बारे में जानकारी मिलती है। आंकड़े सही नहीं होंगे तो ना तो योजनाएं अच्छे से बन पाएंगी और ना ही इनका क्रियान्वयन लक्ष्यों के अनुरूप हो पाएगा।

शर्मा ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन भी जनगणना आंकड़ों के आधार पर होता है। राष्ट्रीय संसाधनों का यथोचित बंटवारा और आवश्यकतानुसार देय अनुदान एवं सहायता का वितरण भी इन्हीं आंकड़ों पर टिका है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग करते हुए जनगणना कार्य किया जाएगा।

साथ ही, मकान सूचीकरण संबंधी प्रथम चरण में दिनांक 1 मई से 15 मई 2026 तक समस्त नागरिकों को स्वगणना का विकल्प भी पहली बार उपलब्ध हो रहा है। इसलिए इससे जुड़ने वाले सभी कार्मिकों का बेहतर एवं गहन प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आंकड़ों का पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण संकलन किया जा सके। साथ ही, आमजन में भी व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को इस कार्य में सक्रिय भागीदारी और सहयोग देने हेतु प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी इस राष्ट्रीय महत्व के काम में अच्छी तरह से निगरानी करें, नियमित समीक्षा बैठकें करें और अपनी टीमों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत आगामी 1 मई से 15 मई तक स्वगणना के विकल्प का प्रयोग एवं 16 मई से 14 जून तक मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्मिकों के प्रति संवेदनशीलता रखी जाए। उन्होंने संतुलित कार्यभार सुनिश्चित करने के साथ ही कार्य की गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान देने हेतु संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर्स एवं अन्य समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, महा रजिस्ट्रार भारत सरकार मृत्युंजय कुमार नारायण सहित वरिष्ठ अधिकारीगण भी कार्यशाला में शामिल हुए।

दिया कुमारी ने स्वर्गीय हेमसिंह भड़ाना के परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को खैरथल-तिजारा के बघेरी ग्राम स्थित पूर्व मंत्री स्वर्गीय हेमसिंह भडाना के निवास पर पहुंचकर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि हेमसिंह भड़ाना का सार्वजनिक जीवन और समाज के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। उन्होंने कहा कि इस अपूरणीय क्षति को भर पाना संभव नहीं है, लेकिन पूरा प्रदेश इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी दिवंगत पूर्व मंत्री को श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा किए गए जनसेवा कार्यों को याद किया।

देवासी ने सिरोही के मेर मंडवाडा में आयोजित ग्रामोत्थान शिविर का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शनिवार को सिरोही जिले के मेर मांडवाडा में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान प्रत्येक टेबल पर जाकर विभिन्न विभागों द्वारा इन शिविरों के तहत किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही उपस्थित लाभार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में गत 23 जनवरी से प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित शिविरों के माध्यम से प्रत्येक पात्र को कुल 13 विभागों की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने का प्रयास किया है। इन शिविरों के माध्यम से प्रत्येक पात्र इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त करे साथ ही अन्य तक भी पहुचाएं। इस दौरान आमजन की समस्याओं को सुना साथ ही सम्बन्धित विभागों को उनके निस्तारण के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को पट्टे, शुद्धिकरण, फॉर्मर रजिस्ट्रीकरण सहित विभिन्न दस्तावेज सौंपे।

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित हो राजस्थान का सुव्यवस्थित विकास : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के सभागार में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर शहरी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राजस्थान का सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नगरीय विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध, समन्वित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ शहरी विकास कार्यों को गति दी जानी आवश्यक है। उन्होंने बजट घोषणा के अनुसार जयपुर शहर के समीप हाईटेक सिटी जल्द विकसित करने के निर्देश देते हुए इसके लिए अधिकारियों को विशाखापत्तनम की क्वांटम सिटी एवं तेलंगाना की आईटी सिटी का अध्ययन करने को कहा, ताकि आधुनिक शहरी नियोजन, तकनीकी अधोसंरचना और नवाचार आधारित मॉडल को जयपुर में अपनाया जा सके। मुख्य सचिव ने विभाग में लंबित प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को अधिवक्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने तथा न्यायालयीन प्रकरणों में राज्य सरकार का पक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव देवाशीष पृष्टि एवं जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने वर्तमान में जारी विकास परियोजनाओं एवं भविष्य की कार्ययोजना पर आधारित प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। समीक्षा बैठक के दौरान श्रीनिवास ने विभाग में छ5 करोड़ से अधिक राशि के प्रगतिरत निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इसके साथ ही नगरीय विकास विभाग की बजट घोषणाओं वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की वर्तमान स्थिति, सड़कों की मरम्मत, नवीनीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े कार्यों, सीबीयूडी ऐप के प्रभावी उपयोग तथा विभिन्न शहरों के लिए तैयार किए जा रहे मास्टर प्लान की वर्तमान स्थिति एवं आगामी रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 31 मार्च 2025 तक मासिक राजस्व प्राप्ति, बकाया राज्यांश के विरुद्ध जमा राशि एवं शेष बकाया की स्थिति, लंबित ऑडिट पैरा की समीक्षा की गई तथा माननीय उच्च न्यायालय में लंबित एवं अवमानना प्रकरणों, जिनमें राज्य सरकार द्वारा जवाब प्रस्तुत किया जाना शेष है, पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को विभागीय समन्वय, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए कहा कि दूरगामी सोच, रचनात्मक दृष्टिकोण और समन्वित प्रयासों से ही समावेशी एवम सतत शहरी विकास को सही दिशा दी जा सकती है।बैठक में प्रमुख शासन सचिव देवाशीष पृष्टि, जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त सिद्धार्थ महाजन, सहित नगरीय विकास विभाग एवं जयपुर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे साथ ही सभी नगरीय विकास न्यास एवं प्राधिकरण के उच्च अधिकारिय वीसी के माध्यम से जुड़े।

राष्ट्र प्रथम की सोच रखते जीवन में आगे बढ़े विद्यार्थी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शनिवार को भारत दर्शन यात्रा के तहत लोक भवन में जम्मू कश्मीर के छात्र-छात्राओं ने डिप्टी कमांडेड राजेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में मुलाक़ात की। राज्यपाल बागड़े ने इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें राष्ट्र प्रथम की सोच रखते जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत दर्शन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना से साक्षात होना है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'परीक्षा पे चर्चा' से देश के करोड़ों बच्चे जुड़ रहे हैं : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मणाई में उड़ान-2026 वार्षिकोत्सव कार्यक्रम एवं विकास कार्यों का लोकार्पण समारोह शनिवार को जोधपुर में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में समग्र शिक्षा पीएबी 2024-25 के तहत 24.79 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित कक्षा-कक्ष का विधिवत लोकार्पण किया गया।

पटेल ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की राष्ट्रव्यापी पहल 'परीक्षा पे चर्चा' से देश के करोड़ों बच्चे जुड़ रहे हैं। जिसमें प्रधानमंत्री जी परीक्षाओं, जीवन कौशल और कल्याण के विषयों पर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा यह पहल तनावमुक्त परीक्षाओं, बच्चों के भावनात्मक और समग्र विकास को बढ़ावा देती है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर नई नीतियों, योजनाओं और नवाचारों पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा हमारी सरकार द्वारा 13 लाख 85 हजार बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण किया गया। साथ ही काली बाई मेधावी छात्रा और देवनारायण स्कूटी योजना के तहत 39 हजार 586 छात्राओं को नि:शुल्क स्कूटी का वितरण किया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने राष्ट्रीय प्राकृतिक संग्रहालय द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार को सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आयोजित व्याघ्र रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालकों एवं व्याघ्र आरक्षों के क्षेत्र निदेशकों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एनटीसीए के आउटरीच जनरल-स्ट्रीप्स का विमोचन किया।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में टाइगर रिजर्व्स की संख्या में बढ़ोतरी हमारी पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजनरी लीडरशिप में हमने टाइगर कंजर्वेशन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। दुनिया की 70 प्रतिशत टाइगरों की संख्या भारत में है। उन्होंने कहा कि नेशनल टाइगर कंजर्वेशन ऑथोरिटी की समस्त बैठकों में लिए गए मुख्य पॉलिसी निर्णयों की विस्तृत समीक्षा कर निष्कर्ष रिपोर्ट तैयार की जाए, जिसके माध्मय से टाइगर कंजर्वेशन के क्षेत्र में पॉलिसी, प्रबंधन, क्रियान्वयन के स्तर एवं इंफॉर्म डिसिजन मेकिंग प्रक्रिया के मध्य संगठनात्मक जुडाव सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में टाइगर कंजर्वेशन की पॉलिसी विषयों पर विस्तृत विमर्श हो जिसमें टाइगर कंजर्वेशन क्षेत्र के प्रबंधन में केंद्रीय प्राधिकृत स्कीम, रेंजर्स की सोशल सिक्योरिटी एवं फ्लोरा व फोना का प्रबंधन तथा संचालन प्रक्रिया में ट्यूरिस्ट प्रबंधन, मैन व एनीमल कॉन्फिलिक्ट, आउट साइड टाइगर रिजर्व इत्यादि चुनौतियों पर फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में विस्तारपूर्वक विमर्श कर ब्रिजिंग गैप को भरने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया टाइगर एस्टिमेशन में वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग पर विचार किए जाएं, जिसमें टाइगर रेस्क्यू, रि-हेबलिटेशन संरचना, ह्यूमन व वाइल्ड लाइफ इंट्रेक्शन, यूटिलाइजेशन ऑफ टाइगर रिजर्व फारेस्ट फण्ड एवं टाइगर कंजर्वेशन फाउण्डेशन के फाइनेंशियल क्रंच के संबंध में इस कॉन्फ्रेंस में विस्तृत चर्चा कर समाधान प्रस्तुत किए जाए। उन्होंने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की अब तक हुई 28 बैठकों में लिए गए सभी नीतिगत निर्णयों की समीक्षा का आह्वान किया, ताकि उन निर्णयों की पहचान की जा सके जो अप्रचलित हो चुके हैं, जिन्हें लागू नहीं किया जा सका है और जिन्हें पूरी तरह से लागू किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस पहल से बाघ संरक्षण नीति को वर्तमान समय की चुनौतियों के अनुरूप ढालने और जमीनी स्तर पर संरक्षण उपायों के कुशल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने चीता पुनर्वास कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने सफलतापूर्वक एक ऐसी जंगली प्रजाति का अंतर्राष्ट्रीय स्थानांतरण किया है जो देश में विलुप्त हो चुकी थी, और यह परियोजना अब चीतों की तीसरी भारतीय पीढ़ी तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि बोत्सवाना से चीतों का एक नया जत्था फरवरी के अंत तक आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि टाइगर संरक्षण की दृष्टि से हमें क्षेत्रों का जोन के हिसाब से विभाजन कर चुनौतियों के समाधान के लिए वर्किंग ग्रुप बनाकर पॉलिसी गाइडलाइन की विस्तृत समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जोन के आधार पर नेचुरल हैबिटेट प्रोटेक्शन, प्रबंधन, मॉनिटरिंग एवं कम्युनिटी ऑरेंटेड इंटरवेंशन पर फोकस कर आगे बढा जाए तथा नोलेज बेस संस्थानों का नेशनल टाइगर कंजर्वेशन ऑथोरिटी के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कार्य करें।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गौरव गोगोई के 'पाकिस्तान संबंधों' की जांच की जा रही है : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच 'राष्ट्रीय सुरक्षा के हित' के मद्देनजर की जा रही है और राजनीति पर इसका संभावित प्रभाव 'मामूली' है। शर्मा ने दावा किया कि इस पूरे मामले में दो व्यक्तियों – एक पाकिस्तानी नागरिक और एक ब्रिटिश नागरिक – की 'महत्वपूर्ण भूमिका' है, हालांकि उन्होंने दोनों में से किसी का भी नाम नहीं लिया।

यहां एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा, ''राज्य मंत्रिमंडल आज एसआईटी रिपोर्ट पर चर्चा करेगा और आगे की कार्रवाई तय करेगा। एक पाकिस्तानी नागरिक और एक ब्रिटिश नागरिक के संबंध हैं और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रिटिश नागरिक एक सांसद की पत्नी हैं।''

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह जांच 'राजनीति से संबंधित नहीं है' और कहा, ''यह जांच राष्ट्रीय सुरक्षा के हित के लिए है। राजनीति पर इसका प्रभाव मामूली है।'' भाजपा और असम के मुख्यमंत्री शर्मा राज्य कांग्रेस के प्रमुख गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला करते रहे हैं। राज्य सरकार ने पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के कथित हस्तक्षेप की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था, जिसके बारे में दावा किया गया था कि उसके गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न से संबंध थे और उसने भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किया था। गृह मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे शर्मा को एसआईटी ने 10 सितंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

बहस लोकतंत्र का हिस्सा, लेकिन सदन की मर्यादा हर हाल में बनी रहनी चाहिए : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि बहस और चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन सदन की मर्यादा हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए।

बिहार विधानसभा के स्थापना दिवस के अवसर पर विधानमंडल के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा, निर्वाचित प्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। विधानसभा और संसद के सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का विशेषाधिकार है। उन्हें अपने विचार साझा करने चाहिए, लेकिन ऐसा करते समय गरिमा बनाए रखनी होगी। बहस और चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन सदन की मर्यादा हर हाल में बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को विधायी कार्यप्रणाली के नियम सीखने चाहिए, भारत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाला और जनता श्रेरा चुनी गई संस्थाओं का लोकतंत्र है। बिरला ने कहा कि जनता की अपने प्रतिनिधियों से अनेक अपेक्षाएं होती हैं और उनका आचरण ऐसा होना चाहिए कि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं का मार्गदर्शन कर सकें। बिरला ने कहा कि सशक्त विधायक ही मजबूत लोकतंत्र की नींव होते हैं। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से सशक्त जनप्रतिनिधि मुद्दों के समाधान के जरिये लोकतंत्र को ऊर्जा देते हैं और कानून निर्माण को सार्थक बनाते हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल विधायी सदनों की मर्यादा में गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने सदस्यों से नारेबाजी, हंगामा और अध्यक्ष के आसन के समीप जाने जैसी प्रवृत्तियों से बचने तथा संवाद और तर्कपूर्ण बहस के माध्यम से अपनी बात रखने की अपील की।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, किसी विधायक की असली ताकत उसके नैतिक मूल्यों, जिम्मेदारी की भावना और संवैधानिक प्रक्रियाओं की समझ से आती है। सक्षम विधायक शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाता है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती लोकतांत्रिक परंपराओं की जन्मभूमि रही है और इसकी विरासत ने देश की संसदीय व्यवस्था को वैचारिक आधार दिया है। उन्होंने विधेयक निर्माण, नियमों की समझ और शोध आधारित अनुभव को गुणवत्तापूर्ण कानून निर्माण की बुनियाद बताया।

बिहार : पप्पू यादव को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को वर्ष 1995 के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद शनिवार को पटना की एक अदालत ने दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने कहा कि उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी और तब तक उन्हें इलाज के लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) में रखा जाएगा।

पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात पटना के मंदिरी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ सांसद/विधायक अदालत श्रेरा भारतीय दंड संहिता की धारा 467 (दस्तावेजों की जालसाजी) के तहत दर्ज मामले में वारंट जारी किया गया था।

पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले यादव ने शुरू में पुलिस की टीम के साथ जाने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि पुलिस के पास संपत्ति कुर्की का वारंट है, गिरफ्तारी का नहीं। हालांकि बाद में उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

अदालत में यादव की ओर से पेश हुए अधिवक्ता शिवनंदन भारती ने कहा, उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। हालांकि जेल भेजने के बजाय अदालत ने आदेश दिया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में रखा जाए।

अधिवक्ता ने दावा किया कि यादव ने स्वेच्छा से गिरफ्तारी दी थी, लेकिन पुलिस के काम में बाधा डालने का एक झूठा मामला उनके खिलाफ दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, उनकी जमानत जुलाई 2025 में रद्द हो गई थी और तब से उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था। पुलिस चाहती तो उसी दिन उन्हें गिरफ्तार कर सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं किया। वे मौके का इंतजार कर रहे थे और अब उन्हें इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वह बिहार में महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे थे।

संसद को शांतिपूर्ण और मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है सरकार : रीजीजू

पटना/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि सरकार डरने वाली नहीं है, लेकिन वह टकराव और हंगामे की राजनीति भी नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि सरकार संसद को शांतिपूर्ण और मर्यादित ढंग से चलाने में विश्वास रखती है।

रीजीजू ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नहीं बोलने देने से जुड़े सवाल पर रीजीजू ने कहा कि सरकार चाहती तो मार्शलों के जरिये सदन से सदस्यों को बाहर कराकर प्रस्ताव पारित करवा सकती थी, लेकिन वह सभी का सम्मान करती है। उन्होंने कहा, हम टकराव नहीं, बल्कि संवाद और मर्यादा के साथ संसद की कार्यवाही चलाना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि हाल ही में दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में कांग्रेस के 40-50 सांसद पहुंचे थे और वहां अनर्गल बातें कही थीं। रीजीजू ने बताया कि वह स्वयं उस समय वहां मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई, क्योंकि सरकार शांति की पक्षधर है। रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों की कुछ टिप्पणियों के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने एहतियाती कदम उठाया और इसी के तहत प्रधानमंत्री से लोकसभा की बजाय राज्यसभा में बोलने का अनुरोध किया गया।

भाजपा सरकार में सभी वर्गों के लोग त्रस्त, उपेक्षा-असम्मान के विरुद्ध ब्राह्मण अधिक मुखर : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर समाज के सभी वर्गों के लोग त्रस्त हैं, लेकिन उनमें खासकर ब्राह्मण समाज उपेक्षा और असम्मान के विरुद्ध काफी मुखर है।

बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को यहां पार्टी की उत्तर प्रदेश राज्य इकाई के प्रदेश, मंडल, जिला व विधानसभा स्तर तक के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों की विशेष बैठक में आगामी विधानसभा आमचुनाव के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी प्रमुख मायावती ने कहा कि वैसे तो वर्तमान हालात में यही लगता है कि भाजपा सरकार की नीतियों एवं कार्यकलापों से, कुछ मुट्ठीभर लोगों को छोड़कर जिनके स्वार्थ की पूर्ति हर प्रकार से की जा रही है, समाज के सभी वर्ग के लोग काफी ज्यादा दुखी व त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि खासकर ब्राह्मण समाज अपनी उपेक्षा, असुरक्षा व असम्मान आदि के विरुद्ध काफी मुखर है और जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। मायावती ने कहा, इसके प्रभाव को लेकर भाजपा काफी हद तक असहज व चिन्तित भी नजर आ रही है, लेकिन यहां सोचने की असल बात यह है कि उच्च जातियों खासकर ब्राह्मण समाज को जितना आदर-सम्मान, पद व सुरक्षा आदि बसपा प्रमुख श्रेरा पार्टी तथा सरकार स्तर पर दिया गया क्या उतना कोई दूसरी पार्टी अथवा सरकार उन्हें दे पायी है? यहां पार्टी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मायावती ने बैठक में कहा कि बसपा का सिद्धान्त व नीति हमेशा 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की रही है और इसी के आधार पर 'कानून श्रेरा कानून के राज' को सख्ती से लागू करके यहां उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के लोगों का वास्तविक भला किया गया है।

बरेली में अवैध रूप से निर्मित मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त किया

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में अवैध रूप से निर्मित मस्जिद को प्रशासन ने शनिवार को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सदर क्षेत्र के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमोद कुमार ने बताया कि यह मस्जिद जिले की सदर तहसील के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में पिपरिया गांव में थी।

राजस्व अभिलेखों में श्रेणी-5 की सरकारी बंजर भूमि पर बनी हुई थी। इस जमीन पर अवैध निर्माण कर कब्जा किया गया था। प्रशासन ने यह करवाई दीवानी अदालत के आदेश पर की है। इस अवैध ढांचे को ध्वस्त कर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया गया है। एसडीएम कुमार ने बताया कि 18 साल लंबी चली कानूनी जंग, बेदखली के बाद कार्रवाई हुई। इस जमीन को लेकर कानूनी विवाद साल 2008 से ही चल रहा था। सबसे पहले तहसीलदार अदालत ने इस निर्माण को अवैध मानते हुए बेदखली के आदेश पारित किए थे। इसके बाद दूसरा पक्ष राहत के लिए दीवानी अदालत गया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली और उनका मुकदमा खारिज कर दिया गया। जैसे ही अदालत की बाधाएं दूर हुईं, प्रशासन ने पुलिस बल व पीएसी की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शनिवार को शुरू कर दी। कुमार ने बताया कि ग्राम पिपरिया में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध निर्माण पाया गया था। न्यायालय के निर्देश मिलने के बाद संबंधित पक्ष को जगह खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए, लेकिन अनुपालन न होने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

बिहार के हर गांव में बनेगी दुग्ध उत्पादन समिति, पशुपालकों को मिलेगा उचित मूल्य : नीतीश कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि 'सात निश्चय-3' के तीसरे निश्चय 'कृषि में प्रगति-प्रदेश में समृद्धि' के तहत डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के भीतर समितियों का गठन करने का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया गया है। इससे पशुपालकों की आमदनी बढ़ेगी और राज्य में दूध की उपलब्धता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'सात निश्चय-2' के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। अब 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत राज्य की सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है।

कुमार ने कहा कि राज्य की कुल 8,053 पंचायतों में से अभी तक 100 पंचायतों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित हो चुके हैं। शेष 7,953 पंचायतों में वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक केंद्र खोलने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायतों में खुलने वाले नए सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित जीविका दीदियों को आवंटित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में डेयरी व्यवसाय के विस्तार से ग्रामीण इलाकों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों की आमदनी बढ़ेगी। साथ ही दूध और दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और राज्यवासियों के जीवन में समृद्धि आएगी।

गाजियाबाद में आत्महत्या करने वाली तीनों बहनें फोन छीन लिए जाने के बाद से थीं अवसादग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

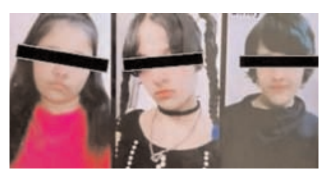

गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में तीन बहनों के एक साथ आत्महत्या करने से जुड़े मामले की जांच में सामने आया कि वे अवसादग्रस्त थीं क्योंकि उनके पिता चेतन कुमार ने उनके फोन छीन लिए थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़कियों के पिता ने कोरियाई संस्कृति के प्रति उनके अत्यधिक आकर्षण को देखकर यह कदम उठाया था।

पुलिस के मुताबिक, फोन छिन लिए जाने से लड़कियां ऑनलाइन गेम खेलने और अपने कोरियाई दोस्तों से बात करने में खुद को असहाय महसूस कर रही थीं। पुलिस ने बताया कि निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) ने इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रांस-हिंडन थानाक्षेत्र के अंतर्गत भारत सिटी सोसाइटी स्थित नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के मुताबिक, घटना वाली रात उन्होंने अपनी मां का फोन चैट करने के लिए लिया था, लेकिन उस मोबाइल में कोरियाई ऐप नहीं चल रहा था। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मोबाइल फोन जब्त किया लेकिन उसमें कोरियाई ऐप नहीं चला और चेतन कुमार ने बेटियों से छीने गए फोन को बेच दिया था।

ट्रांस हिंडन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निमिष पाटिल ने शनिवार को बताया कि सुसाइड नोट की लिखावट और संदेशों सहित उंगलियों के निशान फोरेंसिक में भेज दिए गए हैं, जिसकी रिपोर्ट का अभी इंतजार है। अधिकारी के अनुसार, 2015 में चेतन की एक पत्नी की साहिबाबाद थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर कॉलोनी स्थित एक फ्लैट की छत से गिरने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस ने बाद में इस मामले को आत्महत्या मानकर खारिज कर दिया था। पाटिल ने बताया कि आत्महत्या करने वाली महिला चेतन की पत्नी नहीं बल्कि उनकी सह जीवन (लिव-इन) साथी थी। उन्होंने बताया कि पूछताछ से पुष्टि हुई कि चेतन कुमार की वर्तमान में तीन पत्नियां हैं, पहली सुजाता, दूसरी हीना और तीसरी टीना तथा तीनों पत्नियां सगी बहनें हैं। पुलिस के मुताबिक, तीनों नाबालिग बहनें अपनी माताओं की तुलना में अपने पिता से अधिक लगाव रखती थीं और यही कारण है कि उन्होंने अपने सुसाइड नोट में अपने पिता को संबोधित किया और कहीं भी अपनी मां का नाम नहीं लिया। पाटिल ने बताया कि साइबर अपराध टीमें आईएमईआई नंबरों के माध्यम से मोबाइल फोन खरीदने वाले खरीदारों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं ताकि कोरियाई ऐप का डेटा प्राप्त किया जा सके। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पुलिस ने बताया कि इस मामले को आत्महत्या के रूप में देखा जा रहा है और जांच पिता के कथित ऑनलाइन गेमिंग की लत से संबंधित दावों की पुष्टि करने और पारिवारिक परिस्थितियों सहित सभी संबंधित पहलुओं की जांच करने पर केंद्रित है। बृहस्पतिवार को बहनों के कमरे से बरामद नौ पन्नों की एक छोटी डायरी सहित प्रारंभिक जांच से कोरियाई संस्कृति के प्रति उनके गहरे लगाव और कथित पारिवारिक कलह का संकेत मिलता है।

व्यापार समझौता दबाव में हुआ, प्रधानमंत्री ने समर्पण कर दिया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार दावा किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं हुआ, बल्कि अमेरिका का लाभ हुआ है क्योंकि यह समझौता दबाव में किया गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समर्पण कर दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि नमस्ते ट्रंप , हाउडी मोदी पर भारी पड़ गया है।

नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत एवं अमेरिका के रिश्तों से जुड़े दो बड़े राजनीतिककूटनीतिक कार्यक्रम थे,जिनका आयोजन क्रमश: अहमदाबाद और ह्यूस्टन में हुआ था। रमेश ने ' पीटीआई वीडियो' से कहा, अभी तक इस समझौते के विवरण घोषित नहीं किए गए हैं, उनके बारे में शायद आने वाले कुछ महीनों में बताया जाए। लेकिन जो संयुक्त बयान जारी हुआ है, उससे कुछ बातें बिल्कुल साफ़ हैं। पहली, हम अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क को खत्म करेंगे या कम करेंगे। यह साफ़ तौर पर अमेरिकी किसानों के लिए फ़ायदे की बात है, भारतीय किसानों के लिए नहीं। उन्होंने कहा, दूसरी बात, जो बिल्कुल स्पष्ट है, वह यह है कि हम रूसी तेल का आयात बंद करने जा रहे हैं और अलग से अमेरिकी सरकार ने यह भी ऐलान कर दिया है कि अगर हम रूस से सीधे या परोक्ष रूप से तेल आयात करते हैं, तब भी हम पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क लगाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते में भारत के हितों की पूर्ति नहीं हुई है।

रमेश ने दावा किया, प्रधानमंत्री संसद में घबराए हुए नज़र आए, वह असहज थे। वे लोकसभा में नहीं आए। वे राज्यसभा में आए और वहां 97 मिनट का चुनावी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सिर्फ़ कांग्रेस को निशाना बनाया और विपक्ष श्रेरा उठाए गए किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। मोदी ने जिस तरह की 'गले मिलने की कूटनीति की है, कई तस्वीरें उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खिंचवाई है, उसके बावजूद यह व्यापार समझौता ऐसा नहीं है जिसके बारे में हम कह सकें कि हमारे हितों को आगे बढ़ाया गया है। रमेश ने 'एक्स' पर व्हाइट हाउस के एक बयान का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए पोस्ट किया, अमेरिका अब इस पर नजर रखेगा कि भारत रूस से तेल आयात कर रहा है या नहीं। यदि अमेरिका निर्णय लेता है कि भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूसी तेल का आयात किया है तो अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ जुर्माना वापस आ जाएगा। यह सचमुच असाधारण है और मोदी सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है।

उनका कहना है, अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात तीन गुना हो जाएगा, जिससे हमारा लंबे समय से चला आ रहा वस्तुओं का व्यापार अधिशेष खत्म हो जाएगा।

झारखंड के बोकारो में जंगली हथिनी ने दो दिन में पांच लोगों को मार डाला

बोकारो/भाषा। झारखंड में बोकारो जिले के एक गांव में भटककर आई एक जंगली हथिनी ने दो दिन में पांच लोगों को मार डाला है। अधिकारियों ने बताया कि हथिनी ने शुक्रवार रात दो लोगों को कुचलकर मार डाला और चार अन्य को घायल कर दिया। बृहस्पतिवार सुबह भी उसने तीन लोगों को कुचल दिया था।

मंडलीय वन अधिकारी (डीएफओ) संदीप शिंदे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह हथिनी पांच हाथियों के झुंड का हिस्सा है। लेकिन, सिर्फ यही परेशानी खड़ी कर रही है।'' उन्होंने बताया कि ये घटनाएं महुआटांड थाना क्षेत्र में हुईं तथा शुक्रवार को मारे गए लोगों की पहचान सोमर साव (50) और उनके पोते आयुष कुमार (9) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि घायल लोगों को इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध, नीट आकांक्षी के लिए आवाज उठाने पर डराया जा रहा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए शनिवार को कहा कि बिहार में नीट आकांक्षी की मौत के मामले में इंसाफ की आवाज उठाने पर उन्हें डराया और धमकाया जा रहा है।

पटना पुलिस ने 35 साल पुराने एक मामले में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर व्यवस्था की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है।'' उन्होंने दावा किया कि पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-राजग मॉडल सामने आ गया कि मामले को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो। गांधी ने कहा, ''इस बेटी के लिए न्याय की आवाज़ बनकर साथी सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए।

उनकी गिरफ़्तारी साफ़ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज़ को डराया और दबाया जा सके।'' उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना किसी एक मामले तक सीमित नहीं दिखती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''यह एक भयावह साजिश एवं खतरनाक चलन की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता इस खौफ़नाक सच्चाई से आंखें मूंदकर बैठी है। यह राजनीति नहीं, इंसाफ़ का सवाल है। यह बिहार की बेटी की इज़्ज़त और सुरक्षा का सवाल है।''

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी पप्पू यादव के प्रति एकजुटता प्रकट की और आरोप लगाया कि भाजपा एवं उसके सहयोगी दल अत्याचार के साथ खड़े हुए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पटना के हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह मामला सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है।''

प्रियंका ने कहा, ''प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक सबकुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है?'' उन्होंने कहा कि हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक– जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं।

प्रियंका ने आरोप लगाया कि इस मामले में आवाज उठा रहे सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी इसी असंवेदनशील रवैये की एक और कड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगियों का एजेंडा स्पष्ट है कि वे अन्याय और अत्याचार के साथ खड़े हैं।

सुविचार

मैं अपनी जिंदगी में हर किसी को अहमियत इसलिए देती हूं क्योंकि जो अच्छे होंगे वह साथ देंगे जो बुरे होंगे वह सबक सिखा देंगे।

ट्वीट

आज लक्ष्मणगढ़ के पालड़ी में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा अनावरण कर नमन किया एवं क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। साथ ही जनभावना के अनुरूप विधायक कोष से नए विकास कार्यों की घोषणा की।

-गोविंदसिंह डोटासरा

आज जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज में परम पूज्य अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 'हर मास एक उपवास' कार्यक्रम का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला। महाराज श्री के ओजस्वी दर्शन और आशीर्वाद से मन कृतार्थ है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

टूटू

हम अपने जीवन में बहुत तरह की घटनाओं , चरित्र और लोगों के ज़िंदगी के बारे में देखते और सुनते हैं । इनमें से कई घटनाओं , चरित्र और जीवन के हम साक्षी भी होते हैं। ये हमारे मन और मस्तिष्क पर एक मिसाल के रूप में गहरा प्रभाव छोड़ते हैं । जिन्हे हम जीवन पर्यन्त भूल नहीं सकते । ये समाज और परिवार के लिए विरले ही होते हैं । ऐसा ही चरित्र और जीवन मेरी बचपन से सहेली और बाद में मेरी पड़ोसन बनी टूटू का है। उस जैसा अपनी सास और जेठ की निस्वार्थ भाव से सेवा और उनके प्रति समर्पण का उदाहरण मैंने अपनी आज तक के साठ साल के जीवन में न तो कहीं देखा है और न ही सुना है। हाल ही में हुए उसके जेठ पप्पू भाईसाहब के निधन के बाद मेरे मन और मस्तिष्क ने कुछ लिखने के लिए मुझे मजबूर कर दिया । लोगों को मैंने अपने माता – पिता की बुढ़ापे में निस्वार्थ सेवा करते भी कम ही देखा या सुना है। मैं जितना टूटू को जानती और पहचानती हूं उतना तो शायद मैं कभीं नहीं लिख पाऊंगी। क्योंकि उसे शब्दों में लिखना या बयां करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। फिर भी मेरी एक कोशिश संक्षिप्त रूप मे इस प्रकार है :

शहर के एक सम्पन्न , सभ्रांत और प्रतिष्ठित परिवार की पुत्री टूटू बचपन से ही शांत स्वभाव की है। वह उस समय सरकारी महकमे में उच्च पद पर कार्यरत पिता के पांच बच्चों में सबसे बड़ी है । मुझे आज भी अच्छी तरह याद है कि उस समय कार में स्कूल आने वाली वह एक मात्र छात्रा थी। उसके घर पर कई नौकर काम करते थे। एक खानदानी परिवार का रुआब उसके चेहरे से आज भी झलकता है। किसी के भी व्यक्तिगत या पारिवारिक मामलों को जानने में उसे कभी रुचि नहीं रही है। ग्रेजुएशन तक हम दोनों साथ पढ़े हैं। मैं विवाह के बाद दूसरे शहर चली गई । मेरी फोन पर उससे बातचीत होती रहती थी। अपने पति के ट्रांसफर के बाद जब मैं इस शहर आई तब तक टूटू का भी विवाह हो चुका था । उसका विवाह लगभग सैंतीस वर्ष पहले एक एम एन सी में एक्जीक्यूटिव पद पर कार्यरत कालू के साथ उनके समकक्ष एक भरे – पूरे परिवार में हुआ था।अपने विवाह के बाद ही पांच भाइयों के परिवार में सबसे छोटा कालू अपनी माताजी और जन्म से मानसिक रूप से अपंग उससे चौदह साल बड़े तीसरे नम्बर के अविवाहित भाई पप्पू को इस शहर ले आया था। उनके पिताजी का देहांत बहुत पहले हो गया था। पप्पू भाईसाहब के मानसिक रोग का इलाज यहां भी बदस्तूर जारी था। टूटू को माताजी (सास) और पप्पू भाईसाहब (जेठ) के उनके साथ रहने में कोई परेशानी नहीं थी। वह घर के अन्य कार्यों के अलावा श्रद्धा और निस्वार्थ भावना से माताजी और पप्पू भाईसाहब की सेवा में लगी रहती। उनके यहां आने के कुछ समय बाद ही माताजी के सभी बड़े पुत्र उनके प्रति अपनी किसी भी तरह की जिम्मेदारी से मानो मुक्त हो गए थे।

टूटू को अपने ससुराल में वह सभी सुविधाएं उपलब्ध थीं जो उसके पीहर में थीं। पीहर में उस पर कोई जिम्मेदारी नहीं थी। लेकिन यहां उस पर माताजी और पप्पू भाईसाहब की देखभाल की बड़ी जिम्मेदारी थी। विवाह के एक वर्ष बाद पुत्र होने पर कालू ने उसे एक बड़ा प्लॉट गिफ्ट के रूप में दिया था। जो संयोग से हमारे घर के पास वाला ही था। पुत्र होने के बाद उसकी व्यस्तता और बढ़ गई थी। वह अपने परिवार और जिम्मेदारी में पूरी तरह रम गई थी। विवाह के चार वर्ष बाद उन्होंने शहर की उस समय की पॉश कॉलोनी में अपना घर बनवाया। दूसरे शहर रह रहे उसके जेठजी के परिवारों का उनके यहां आना जाना लगा रहता था। उसके एक बड़े जेठजी की पुत्री ने मेडिकल की पढ़ाई और पुत्र ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई उनके यहां रहकर करी थी । बाद में उन जेठजी के तीन बच्चों के विवाह भी इसी शहर में हुए। कालू और टूटू ने इनमें अपनी जिम्मेदारियों को सकारात्मक रूप तन , मन , धन से बखूबी निभाया। इनमें मेहनत और भागदौड़ भी इतनी करी कि मानो उहोने अपने ही बच्चों के विवाह करे हों।

उनका इकलौता पुत्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद दूसरे राज्य में नौकरी करने चला गया था। गुजरते समय के साथ आर्थिक रूप से समृद्ध परिवार की टूटू अपनी गृहस्थी में इतनी व्यस्त हो गई कि एक ही शहर में पीहर होने के बाद भी उसका वहां जाना गिने चुने अवसरों पर ही होता है । कई बार ऐसा लगता है कि उसने अपनी ख्वाहिशों को ही खत्म कर दिया है। उसमें किसी तरह की कोई इच्छा नहीं रहीं। ससुराल और पीहर के दायित्व निभाने में वह सन्तुलन बनाकर चलती रही है । उसने कभी किसी को शिकायत का मौका नहीं दिया । माताजी और भाईसाहब की अपनी जिम्मेदारी को देखते और समझते हुए कालू ने कम्पनी में मिले अपने कई प्रमोशन के लिए मना कर दिया। क्योंकि इसके लिए उन्हे दूसरे शहर और राज्य जाना पड़ता। यह उनके लिए संभव नहीं था। अगर कालू पर पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियां नहीं होतीं तो आज उनके जीवन की दशा और दिशा ही कुछ और होती। उन्होंने भी अपनी ख्वाहिशों , इच्छाओं को खत्म कर दिया है।

हमेशा सकारात्मक सोच , विचार खुशमिजाज स्वभाव वाली टूटू का सबसे मुस्कुराते हुए मिलना उसकी शख्सियत में शामिल है। उसकी तय नियमित दिनचर्या में सास और जेठ की देखभाल करना विशेष रूप से शामिल था। इन सबके कारण उसका शहर से बाहर तो दूर की बात है , शहर में ही घर से बाहर मन्दिर के अलावा जाना कम होता था । भक्ति भावना में रहने वाली टूटू नियमित रूप से सुबह घर के पास स्थित मंदिर जाती है। सुबह मन्दिर से आते समय गर्मियों के मौसम में उसके जेठ जी घर के लॉन में कुर्सी पर बैठे हुए दिखते थे। वह मन्दिर से मिला प्रसाद उन्हे रोजाना खिलाती थी।

समय पंख लगाकर अपनी गति से उड़ रहा था। वे सभी सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे थे। अचानक लगभग दस वर्ष पहले माताजी को आए हार्ट अटैक के कारण उन्हे स्थानीय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाना पड़ा। माताजी कभी बीमार नहीं हुई थी। एम्बुलेंस में हॉस्पिटल जाते समय उन्होंने कहा था कि मुझे लग रहा है कि अब मैं वापिस नहीं आऊंगी । मेरे बाद पप्पू का ध्यान रखना..... यह सुनकर कालू और टूटू ने माताजी का हाथ अपने हाथ में लेकर कहा था कि माताजी आप सकुशल घर आएंगी। जब तक हम जीवित हैं पप्पू भाईसाहब को किसी तरह की कमी या तकलीफ नहीं होने देंगे। माताजी निश्चिन्तता से हॉस्पिटल गई थी। वहां एक सप्ताह के इलाज के बाद दूसरे हार्ट अटैक आने के कारण माताजी की चलती सांसों का सिलसिला थम गया था । उनका बानवे साल की आयु में निधन हो गया था। यह एक इत्तेफाक ही था कि माताजी के निधन के समय उनका पूरा परिवार यहां मौजूद था। क्योंकि उनकी बीमारी का सुनकर परिवार के सभी सदस्य यहां आ गए थे।

माताजी के निधन वह अपना ज्यादातर समय पप्पू भाईसाहब की देखभाल में ही लगाती थी । उन्हे समय पर दवा , खाना – पानी देना और स्नान कराना आदि एक जरुरी काम था। अपना अन्य काम खुद करने वाले पप्पू भाईसाहब का ध्यान वह एक बच्चे की तरह रखती थी। पप्पू भाईसाहब भी उसके साथ खुश रहते थे। टूटू के पुत्र का विवाह और चार वर्ष पूर्व पौत्री होने से घर में खुशियां एक बार फिर लौट आई थीं। उनका पुत्र और पुत्रवधू हमेशा उन्हे अपने साथ रहने के लिए कहते हैं। लेकिन कालू और टूटू अपनी जिम्मेदारी अपने बच्चों को नहीं सौंपना चाहते थे।एक वर्ष पूर्व उनके पुत्र ने जब महानगर में अपना फ्लैट खरीदा तब पप्पू भाईसाहब बहुत खुश हुए थे। उनका बेटा, बहू और पोती उनसे अक्सर वीडियो कॉल से बात कर लिया करते थे। बड़े परिवार के अन्य सभी सदस्य हमेशा से ही अपने परिवार में रमे थे। टूटू को जानने वाले उसकी पहले माताजी और बाद में पप्पू भाईसाहब के प्रति निस्वार्थ सेवा भावना की प्रशंसा करते नहीं थकते थे। वह इसे अपना कर्तव्य समझती थी। पप्पू भाईसाहब को जन्मजात मानसिक रोग के अलावा कभी कोई बीमारी नहीं हुई।

कालू भी दो साल पहले नौकरी से सेवानिवृत्त हो गए थे। दोनों पति पत्नी अपने भाई के साथ खुशी से जीवन बिता रहे थे। बच्चे यहां आकर उनसे मिल जाया करते थे। हाल ही में सर्दी के मौसम में कुछ दिन पड़ी तेज ठंड के कारण पप्पू भाईसाहब को बेड से उठकर बाथरुम तक जाने में तकलीफ होती थी। उन्हे किसी तरह समझाकर डायपर पहना दिए थे। वे कई दिनों तक मल मूत्र का त्याग उसी में करते थे। कालू और टूटू ही समय समय पर उनके डायपर बदलकर साफ सफाई करते थे।क्योंकि पप्पू भाईसाहब किसी अन्य को अपने हाथ नहीं लगाने देते थे। ठंड कम होने के बाद वे अपना काम स्वयं करने लग गए थे। पिछले कई वर्षों से कालू हर पन्द्रह दिन से पप्पू भाईसाहब की ट्रिमर से शेव कर दिया करते थे। उसके बाद टूटू उनसे कहती आज तो ताऊजी हीरो लग रहे हैं। यह सुनकर वे हंसने लगते। सुबह मन्दिर से आते समय टूटू से मेरी एक दूसरे की गृहस्थी के बारे में भी बात हो जाती है।

बारह दिन पहले शाम अपने घर पर शाम को छः बजे हमेशा की तरह कालू जी , टूटू और पप्पू भाईसाहब ने साथ बैठकर चाय पी थी। उसके बाद लगभग छः बजकर पन्द्रह मिनट पर टूटू ने कहा कि मैं मन्दिर होकर आती हूं। पप्पू भाईसाहब ने कहा , हां , हो आओ... यह कहकर वे बेड पर लेट गए। कालू अपने कमरे में आ गए। टूटू घर से बाहर निकलकर कुछ कदम ही चली थी कि वापिस घर आ गई। उसने पप्पू भाईसाहब के कमरे में जाकर कहा पप्पू भाईसाहब , आप सो गए क्या ? उन्हे जोर–जोर से सांस लेता देख टूटू ने कालू को आवाज लगाई देखो भाईसाहब को क्या हो गया है ? कालू जब तक वहां पहुंचते पप्पू भाईसाहब का शरीर शांत हो चुका था। उन्होने अनेक बार पप्पू भाईसाहब ,पप्पू भाईसाहब आवाज लगाई , लेकिन भाईसाहब के शरीर मे किस तरह की कोई हलचल नहीं थी। वे मुस्कुराते हुए खुली आंखों से एकटक टूटू को देख रहे थे। कालू देखा उनके धड़कन भी नहीं चल रही थी। डॉक्टर भतीजी और दामाद ने जांच करने के बाद छियत्तर वर्ष के पप्पू भाईसाहब को मृत घोषित कर दिया। उनके निधन का समय शाम छः बजकर बीस मिनट था। यह सुनते ही टूटू और कालू बेड के सिरहाने बैठ कर पप्पू भाईसाहब कहते हुए जोर – जोर से रोने लगे। उनकी आवाज सुनकर मैं औरअन्य पड़ोसी वहां पहुंचे। किसी तरह उन सभी को संभाला।

सर्दियों में रात जल्दी होने के कारण पप्पू भाईसाहब का अंतिम संस्कार अगले दिन सुबह किया गया। कालू ने सभी रिश्तेदारों को सूचना दे दी थी । दूरदराज रहने वाले भाई, भतीजे और अन्य रिश्तेदार समय पर यहां पहुंच गए थे। परिवार में मौजूद कई संवेदनहीन लोग बारह दिन तक भी नहीं आए थे।

एक पुत्र की तरह कालू ने अपने पप्पू भाईसाहब के निधन के बाद दान दक्षिणा और अन्य सभी सामाजिक कार्य किए। चौथे दिन उनका बड़ा भतीजा और पुत्र हरिद्वार में गंगा नदी में पप्पू भाईसाहब का अस्थि विसर्जन कर आए। हमारे पड़ोस और मन्दिर की मित्र मंडली की महिलाएं बारह दिन तक रोज टूटू से मिलती थीं। घर के बाहर लॉन में सर्दियों की दोपहर अक्सर घूमते हुए दिखने वाले पप्पू भाईसाहब दीवार पर टँगे माला चढ़े एक फोटोफ्रेम में हमेशा के लिए कैद हो गए थे। कल सुबह मैंने देखा कि टूटू के घर पिछले बारह दिनों से लोगों की आवाजाही बंद हो चुकी थी। सभी रिश्तेदार बारह दिनों के बाद अपने – अपने घर लौट गए थे । घर पर टूटू और उसका पति कालू ही रह गए थे। उनका बेटा, बहू और पोती भी सभी रस्में निष्ठापूर्वक निभाकर अपने शहर चले गए थे। लेकिन टूटू के मन्दिर नहीं आने का कारण जानने के लिए मैं उसके घर चली गई। सुबह के सात बजे थे। डोरबेल बजाने पर कालू ने नम आंखों से दरवाजा खोला । घर के अन्दर जाकर मैंने देखा कि डायनिंग टेबल पर तीन प्याले चाय से भरे रखे थे। पास ही कुर्सी पर बैठी टूटू रो रही थी। उसका हमेशा मुस्कुराता हुआ चेहरा दुखी दिख रहा था। बारह दिन के बाद सुबह के समय रसोई में चाय बनाने के बाद टूटू द्वारा पहले ही की तरह तीन प्यालों में चाय डालते ही उसकी आंखों से आंसुओं की धारा बहने लगी थी। पहले हमेशा एक प्याला चाय पप्पू भाईसाहब का भी होता था। चाय के प्यालों को देखकर अपने पप्पू भाईसाहब की याद में कालू की भी आंखों से आंसू बहने लगे थे। दीवार पर लगी पप्पू भाईसाहब की तस्वीर देखकर मेरी आंखें भी नम हो गईं। यह वही तस्वीर थी जो टूटू ने पप्पू भाईसाहब के शेव बनवाने के बाद मोबाइल फोन से पिछली बार खींची थी। घर में चारों ओर उनकी यादें पसरी थीं। प्रसिद्ध शायर मुनव्वर राणा का एक शेर है किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुकां आई / मैं अपने घर में सब से छोटा था मेरे हिस्से में माँ आई कालू के जीवन में यह शेर सही लगता है। उनके हिस्से में माँ और बड़ा भाई आए।

टूटू के अब तक वैवाहिक जीवन में सैंतीस वर्ष की निस्वार्थ भाव से करी सेवा पूरी हो गई थी। उसने और कालू ने माताजी से पप्पू भाईसाहब की देखभाल का किया वायदा बखूबी निभाया था। टूटू की सास और जेठ के प्रति सेवा भावना को देखकर जानने वालों द्वारा उसे समय – समय पर दिए गए प्रशंसा के अदृश्य सर्टिफिकेट घर की हर दीवार पर चस्पा थे। पप्पू भाईसाहब के निधन के बाद अब दीवारों से उखड़कर वो हवा में तैर रहे थे। पहले और अब उनके भौतिक युग में कोई मायने नहीं थे। सैंतीस वर्षों तक माताजी और पप्पू भाईसाहब के कारण शहर से बाहर साथ में नहीं जा पाने वाले कालू और टूटू को पप्पू भाईसाहब ने अब घूमने फिरने और कहीं भी आने जाने के लिए हमेशा के लिए आजाद कर दिया था। आज कालू और टूटू के पास उड़ने के लिए खुला आसमान तो है लेकिन उड़ने की उनकी अब कोई ख्वाहिश नहीं बची है।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

दरवाज़े

एक समय था जब लोगों के घरों के दरवाज़े दिन भर खुले रहते थे। समय के साथ विचार बदले, स्थितियाँ बदलीं और अब अधिकांश घरों के दरवाज़े बंद रहने लगे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से दरवाज़ा बंद रखना समकालीन आवश्यकता हो सकता है। तथापि स्थूल का प्रभाव, सूक्ष्म पर भी होता है। एक प्रसंग सुनाता हूँ। एक धनी व्यक्ति एक महात्मा के पास आया। धनी का महल आलीशान था। उसके मन में इच्छा हुई कि अपना महल महात्मा को दिखाए। बहुत ना–नुकर के बाद महात्मा उसका महल देखने के लिए राजी हो गए। धनी ने जब अपना महल महात्मा को दिखाया तो वे हँस पड़े। धनी आश्चर्यचकित हुआ। फिर तनिक नाराज़गी के साथ बोला, महात्मन! यह दुनिया का सबसे सुरक्षित महल है। महात्मा ने पूछा, कैसे? धनी बोला, मैंने इसके सारे दरवाज़े चुनवा दिये हैं। इसमें केवल एक ही दरवाज़ा रखा है जिसके चलते शत्रु का भीतर प्रवेश करना असंभव–सा हो चला है। इस बार महात्मा ठहाका लगाकर हँसे। फिर बोले, यह एक दरवाज़ा भी क्यों छोड़ दिया? यदि इसे भी बंद कर दो तो शत्रु का तुम तक पहुँचना असंभव–सा नहीं अपितु असंभव ही होगा। धनी ने महात्मा के ज्ञान के कई प्रसंग लोगों से सुने थे। उसे लगा, सारे प्रसंग झूठे हैं। महात्मा तो सामान्य बात भी समझ नहीं पाते। सो चिढ़कर बोला, महात्मन, यदि यह एकमात्र दरवाज़ा भी बंद कर दिया तब तो मेरे प्राण जाना निश्चित है। ऐसी सूरत में यह महल, महल न रहकर कब्र में बदल जाएगा। इस बार गंभीर स्वर में महात्मा बोले, जब तुझे बात का भान है कि एक दरवाज़ा बंद करने से तेरी मृत्यु हो जाएगी तो इतने सारे दरवाज़े बंद करके कितनी बार मर चुका है तू?

ध्यान देनेवाली बात है कि दरवाज़े सर्वदा बंद रखने के लिए होते तो बनाये ही क्यों जाते? उनके स्थान पर भी दीवारें ही खड़ी की जातीं।

दरवाज़े बार–बार खुलते रहने चाहिएँ, ताज़ा हवा का झोंका भीतर आते रहना चाहिए। खुले दरवाज़ों से नयापन और ताज़गी भीतर आते रहते हैं, प्रफुल्लता बनी रहती है।

...अंतिम बात, घर के हों या मन के, यह सूत्र दोनों प्रकार के दरवाज़ों पर लागू होता है।

बोध कथा

जादुई ढोल

पश्चिम भारत के एक छोटे–से राज्य में, धर्मराज नामक एक बुद्धिमान और न्यायप्रिय राजा रहता था। उसकी प्रजा के मन में उसके लिए बहुत श्रद्धा और आदर था। राजा धर्मराज बहुत लम्बा, ऊंचा और रूपवान था। उसके सिर के बाल काले और घने थे जिन्हे उसका ख़ास कोई भोलू ही काटता था। भोलू यह काम कई वर्षों से कर रहा था और अपने शाही हज्ज़ाम होने का उसे बहुत गर्व था। पर भोलू को एक बात का बहुत का बहुत ध्यान रखना पड़ता था। जब भी वह राजा के बाल काटने जाता, उसे याद रखना पड़ता कि वह राजा के साथ बिलकुल अकेला हो। उस समय किसी का भी शाही कमरे में आना सख्त मना था। बात दरअसल यह थी कि भोलू राजा के बारे में एक राज जानता था। राजा के सिर के दोनों तरफ दो छोटे–छोटे सींग उग रहे हैं।

यह बात सिर्फ राजा और उसका नाई जानते थे। जब भोलू ने पहली बार यह नजारा देखा तो वह भौचक्का रह गया। लेकिन उसने राजा से वादा किया कि इस बात का जिक्र वह कभी किसी से नही करेगा। महाराज, आप निश्चिन्त रहें, भोलू राजा से बोला। आपका यह राज मेरे पास सुरक्षित है। किसी और को इस बात की कानों–कान भी खबर नही होने पाएगी।

ऐसा सुनकर राजा धर्मराज ने राहत महसूस की। उसे डर था कि अगर लोगों को इस बात की जानकारी हो गई तो राज्य भर में उसकी खिल्ली उड़ेगी। हो सकता है, लोग उसका आदर करना बंद कर दें या फिर नए राजा की ही मांग करने लगें। इसलिए भोलू के वादे के बावजूद, राजा ने उसे सख्त हिदायत देते हुए कहा, भोलू, अगर तुमने अपना मुह खोला तो जान लो, सजा तो मिलेगी ही, देश निकला भी मिलेगा। भोलू हज्ज़ाम की डर के मारे घिग्घी बंध गई। उसने कानों को हाथ लगाया और अपना मुह बंध रखने की कसम खाई।

कई वर्ष बीत गए। भोलू को अपना वादा याद रहा। उसकी स्वामिभक्ति से प्रसन्न, राजा यदा–कदा उसे अच्छे–अच्छे उपहार भी देता रहता। पर समय बीतने के साथ–साथ, भोलू के सब्र का बाँध भी टूटने लगा। उसके पेट में वह राज अब पचता नही था और वह चाहता था कि कोई तो ऐसा हो जिसे वह राजा के सींगों वाली बात बता सके। लेकिन राजा की चेतावनी उसे चुप रहने पर मजबूर करती थी।एक दिन भोलू राजा के बाल काटकर महल से लौट रहा था। और रास्ते भर उसके सींगों के बारे में सोचता रहा।

भोलू का घर एक छोटे–से जंगल के उस पार था। ऊंचे–ऊंकजे पेड़ों और लटकती बेलों के बीच में से धीरे–धीरे चलता हुआ भोलू जब थक गया, तो सुस्ताने के लिए एक घने पेड़ के नीचे बैठ गया। भोलू को रह–रहकर सींग याद आ रहे थे। फिर यकायक वह उठकर खड़ा हो गया।

वाह, जवाब नही मेरे दिमाग का! भोलू बोला और उस पेड़ को देखने लगा जिसके तले वह बैठा था। भई, इस पेड़ को तो बता सकता हूँ न, राजा के उन अजीब सींगों के बारे में। अब यह रहस्य मेरे पेट में नही पचता। पेड़ तो बोल सकता नही, और इस तरह किसी और को यह बात पता चलने का डर भी नही है। पेड़ के पास यह भेद, हमेशा भेद रहेगा और मैं भी इस बोझ से मुक्त हो जाऊँगा।

भोलू ने ऐसा निश्चय किया और जोर से बोला, हे पेड़, आज मै तुम्हे एक भेद बताने वाला हूँ। हमारे राजा धर्मराज के सिर पर दो सींग हैं। हाँ, हाँ, उसके दो सींग हैं। इतना कहकर हज्ज़ाम बेतहाशा हँसने लगा और हँसता ही गया, हा, हा, हा! हो, हो, हो! वह भयंकर भेद आखिर खुल ही गया! भोलू खुश था उसका भार जो हल्का हो गया था। उसके बाद वह आराम से घर पहुँच गया।

अगले दिन एक लकड़हारा उसी जंगल में गया और उसी पेड़ के पास जाकर रुक गया। इस पेड़ की लकड़ी तो बहुत शानदार है। इसका ढोल बड़ा अच्छा बनेगा, वह सोचने लगा। फिर क्या था! कुल्हाड़ी के कुछ प्रहारों से ही पेड़ नीचे आ गिरा। लकड़हारे ने वह लकड़ी एक ढोल बनाने वाले के हाथों बेच दी और उसने एक बहुत सुंदर ढोल तैयार कर दिया। यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा ढोल है, ढोल वाला खुश होकर बोला। कल बाजार जाकर इसे अच्छे दाम पर बेच दूंगा। अगले दिन ढोल वाला बाजार गया और एक कोने में खड़ा होकर ढोल बजाने लगा। ढोल से बड़ा सुरीला स्वर हुआ। ढोल वाला उसकी आवाज सुनकर झूम उठा। वह चिल्लाकर बोला, बाबू, यह ढोल खरीदो! कोई है, जो इस शानदार, जानदार ढोल को खरीदे? धीरे–धीरे उसके इर्द–गिर्द भीड़ जमा हो गई। लोग खामोश होकर ढोल की मजेदार आवाज सुनने लगे। भई वाह! क्या कहने हैं इस ढोल के! एक बूढ़े आदमी ने तारीफ़ की। तारीफ़ सुनकर ढोल वाला और भी जोर से ढोल पीटने लगा। तभी उस ढोल में से एक अजीब आवाज आई। लोगों के कान खड़े हो गए। उनका दिल धक से रह गया। ढम, ढम, ढम! ढोल बजा। आज मै तुम्हे एक भेद बताने वाला हूँ। हमारे राजा धर्मराज के सिर पर दो सींग हैं। हाँ, हाँ, उसके दो सींग हैं। हा, हा, हा! हो, हो, हो! लोग वहां जड़वत खड़े हो गए। उन्हें अपने कानों पर विशवास नही हो रहा था। ढोल वाला फिर ढोल पीटने लगा और फिर वही आवाज निकली। वह बहुत हैरान और शर्मिंदा हुआ। आखिर एक ढोल यह सब कैसे बोलने लगा? देखते ही देखते, लोगों का ताँता लग गया। और फिर कितना मजाक और कितने ताने, उफ्फ! हमारे राजा के दो सींग! हमारे राजा के दो सींग! लोग तो जैसे गाना गाने लगे।

वीर गाथा

नायक जितेंद्र सिंह: गोलियां लगीं, खून बहा, फिर भी देश के दुश्मनों का किया खात्मा

नायक जितेंद्र सिंह का जन्म 20 जुलाई, 1990 को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के गांव धौर्रा में हुआ था। माता गिरजा देवी और पिता गुन्नम सिंह के बेटे जितेंद्र साल 2010 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें राजपूत रेजिमेंट में शामिल किया गया था। बाद में, उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 44वीं बटालियन में भेज दिया गया। जितेंद्र सिंह कई सैन्य अभियानों में शामिल रहे, उनका नेतृत्व किया और खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।27 अप्रैल, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि पुलवामा जिले के एक गांव में दो आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया गया। उस इलाके की घेराबंदी करते हुए आतंकवादियों का पता लगाया जा रहा था। अचानक आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला किया और बचकर भागने की कोशिश की। इस दौरान जितेंद्र घायल हो गए। वे रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने गोलीबारी का जोरदार जवाब देते हुए एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। इससे घबराकर दूसरे आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंका। वह अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा। जितेंद्र ने ज़बर्दस्त बहादुरी दिखाई। वे आगे बढ़े और उस आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया।इसके बाद जितेंद्र अचेत हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में सात खूंखार आतंकवादी ढेर किए जा चुके हैं। भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा को जो भी आतंकवादी चुनौती देगा, जितेंद्र जैसे वीर योद्धा उनका खात्मा करेंगे। नायक जितेंद्र सिंह को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन के महावाणिज्य दूत ने कहा, बाहरी कारक भारत-चीन व्यापार को प्रभावित नहीं करेंगे

नागपुर/भाषा। मुंबई में चीन के महावाणिज्य दूत किन जी ने शनिवार को कहा कि भारत और चीन के बीच व्यापार बाहरी कारकों से प्रभावित नहीं होगा, क्योंकि दोनों देश बहुत बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जो बहुपक्षवाद और बहुपक्षीय व्यापार का समर्थन करते हैं। चीनी महावाणिज्य दूत नागपुर में 'एडवांटेज विदर्भ 2026' के तहत आयोजित 'इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्क्लेव' के मौके पर पीटीआई-भाषा से बात कर रहे थे।जब उनसे पूछा गया कि भारत श्रेरा अन्य देशों के साथ किए जा रहे समझौतों की पृष्ठभूमि में वह दोनों पड़ोसियों के बीच व्यापार की स्थिति को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाहरी कारकों से आपसी व्यापार अधिक प्रभावित नहीं होगा। किन जी ने कहा , ''भारत एक बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है और चीन भी एक बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है।

हम ऐसे देश हैं जो बहुपक्षवाद, बहुपक्षीय व्यापार और बहुसांस्कृतिक आदान-प्रदान का समर्थन करते हैं।''अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के समझौतों पर उनके विचारों के बारे में पूछने पर किन जी ने कहा, ''भारत यूरोपीय संघ या दुनिया के अन्य हिस्सों के साथ अपने संबंधों को तय करने के लिए आजाद है... लेकिन भारत और चीन के बीच हमें सहयोग जारी रखना चाहिए, संबंधों को मजबूत करना चाहिए और कई क्षेत्रों में संचार बनाए रखना चाहिए।''यह पूछने पर कि क्या भारत को पड़ोसी देशों से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के लिए 'प्रेस नोट 3' पर पुनर्विचार करना चाहिए, राजनयिक ने कहा कि उन्होंने ऐसी खबरें पढ़ी हैं, जिनमें संकेत दिया गया है कि भारत पहले ही कुछ बदलावों पर विचार कर रहा है।

संसाधनों के इस्तेमाल, संरक्षण की प्राचीन परंपराओं से सीखने की जरूरत : सुनीता नारायण

नई दिल्ली/भाषा। प्रख्यात पर्यावरणविद सुनीता नारायण का कहना है कि समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए जल संचयन, खाद्य विविधता और कृषि की प्राचीन भारतीय परंपराओं से सीख लेने की जरूरत है।

'भारत पर्यावास केंद्र' में शुक्रवार को आयोजित 'आईएचसी समन्वय' में अपने संबोधन में नारायण ने भारत की पारिस्थितिक परंपराओं, संयम, प्रकृति के प्रति श्रद्धा और विकास के साथ आने वाली नैतिक जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, आज के इस बेहद चुनौतीपूर्ण दौर में विकास के प्रति हमारे रुख पर पुनर्विचार करना इतना अहम क्यों है? ज्ञान के बारे में हम क्या जानते हैं, हम आगे बढ़ने के तरीकों के बारे में क्या जानते हैं और हम अपनी असाधारण परंपराओं से कैसे सीख सकते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें उन सिद्धांतों से सीखना होगा, जिन्होंने इन परंपराओं को गति प्रदान की। नारायण ने कहा कि आज प्राचीन परंपराओं को यमुना नदी में डुबकी लगाने या दिवाली पर पटाखे फोड़ने जैसे खोखले अनुष्ठानों के जरिये रोमांटिक रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जब हम झाग और प्रदूषण से भरी यमुना नदी में डुबकी लगाते हैं, तो हम इसे अपने धर्म और संस्कृति का हिस्सा कहते हैं, तो क्या वास्तव में यमुना नदी साफ है। यह साफ नहीं है, यह गंदी है और इसे साफ करने की जरूरत है और यह हमारी पारंपरिक भाषा का हिस्सा होना चाहिए।

नारायण ने कहा, जब हम ऐसे समय में आतिशबाजी के अधिकार की बात करते हैं, जब दिल्ली में सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है, तो यह संस्कृति का अधिकार नहीं है। यह संस्कृति नहीं है। जिस संस्कृति में हम सब जीते हैं, वह एक जीवंत संस्कृति है। यह एक विकसित होती हुई संस्कृति है, जो मानवता और तर्कसंगतता के सिद्धांत से विकसित हो रही है।

नारायण ने भारत में विभिन्न समुदायों की ओर से जल संचयन के लिए सदियों से अपनाए जा रहे विभिन्न तरीकों का जिक्र किया। इनमें राजस्थान में टंका और अगोर से लेकर लद्दाख में जिंग तथा पूर्वोत्तर की बांस सिंचाई तकनीक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन उल्लेखनीय जल संचयन परंपराओं का ज्ञान तब लुप्त हो गया, जब अंग्रेज भारत आए और जल प्रबंधन के नए तरीके पेश किए। नारायण ने कहा, हम उन विकेंद्रीकृत, सामुदायिक स्वामित्व वाली जल प्रबंधन प्रणालियों से हटकर एक ऐसी प्रणाली में आ गए, जिसका नियंत्रण लोक निर्माण विभाग के हाथ में था। वे जलाशयों से पानी निकालते थे और लंबी दूरी से पानी लाकर हमारे नलों में आपूर्ति करते थे और हमें लगा कि यही आधुनिक जीवन है। उन्होंने कहा कि संसाधनों और पूंजी पर निर्भर जल प्रबंधन प्रणालियों के कारण ही यमुना नदी में प्रदूषण जैसी घटनाएं सामने आई हैं।

नारायण ने कहा कि दूर से पानी लाने और घर के पास के जल स्रोतों को प्रदूषित करने के कारण जल परिवहन, बिजली और पानी की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, ...और जैसे-जैसे पानी की कीमत बढ़ती जा रही है, नगरपालिकाओं के पास सीवेज संग्रहण पर खर्च करने के लिए पैसा नहीं बच रहा है। इसलिए आज सीवेज उसी भूजल को प्रदूषित कर रहा है, जिसकी हमें जल सुरक्षा के लिए आवश्यकता है।

तारा शर्मा ने शेयर की 'खोसला का घोसला 2' की झलक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म 'खोसला का घोसला-2' की शूटिंग अभी जारी है। साल 2006 में रिलीज हुई लोकप्रिय कॉमेडी-ड्रामा फिल्म के सीक्वल के लिए फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। गुरुवार को अभिनेत्री तारा शर्मा ने इंस्टाग्राम के जरिए शूटिंग के दो शेड्यूल पूरे होने की खुशी जाहिर की। अभिनेत्री ने पूरी टीम के साथ तस्वीर शेयर की, जिसमें मूल फिल्म के कलाकार नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने लिखा, ओह। डेजा वू। 'खोसला का घोसला'। दो शेड्यूल पूरे हो गए। अभिनेत्री ने शूटिंग को यादों, नए अनुभवों और आपसी जुड़ाव का खूबसूरत मिश्रण बताया। उन्होंने लिखा, ज्यादातर पल बहुत अच्छे रहे। हालांकि, बीच-बीच में कुछ 'ऊप्स' वाले पल सामने आए, लेकिन यही तो जिंदगी है।

अभिनेत्री ने फिल्म का हिस्सा बनकर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, फिल्म में मेरा रोल छोटा है, फिर भी सीक्वल का हिस्सा बनकर मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। सभी बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू को दिल से सलाम। हर कोई कुछ न कुछ खास लेकर आया है। मैं अलग-अलग नाम नहीं लिख रही, क्योंकि सब ही इतने टैलेंटेड, गर्मजोशी से भरे और अच्छे इंसान हैं कि मिलकर यह एक फिल्मी परिवार बन गया। तारा ने अनुपम खेर को रिंग लीडर कहकर उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, अनुपम सर पूरी टीम को जोड़कर रखते हैं और सभी को मैसेज करते हैं कि केकेजी परिवार रात 9 बजे डिनर करता है, और सब पहुंच जाते हैं। वहां साथ खाना, खेलना, बातें करना और ढेर सारी हंसी होती है। धन्यवाद अनुपम खेर सर इतने सधे हुए, संवेदनशील और बेहद प्रतिभाशाली लीडर होने के लिए।

अभिनेत्री ने आगे फिल्म के कई कलाकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने बोमन इरानी, रील लाइफ हसबैंड परवीन दबास, रणवीर शौरी, किरण जुनेजा, निशांक नूर और कंगना नंगिया जैसे सभी कलाकारों का जिक्र कर उनकी तारीफ की।

उन्होंने रवि किशन और हर्ष जैसे अन्य कलाकारों का भी नाम लिया, जो तस्वीर में नहीं थे लेकिन फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। तारा ने उन लोगों की भी तारीफ की जो कैमरे के पीछे कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने लिखा, सबको टैग नहीं कर पा रही हूं, उम्मीद है फिल्म पूरी होने पर हम सब एक साथ तस्वीर लेंगे। सोचा था ज्यादा नहीं लिखूंगी पर आदत से मजबूर। बस अब इस प्रोजेक्ट की शूटिंग के कुछ ही दिन बाकी हैं, और अगर वाकई ऊर्जा, ऊर्जा को खींचती है, तो अचानक मैं 3 प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हूं, कुछ के लिए ऑडिशन दे रही हूं, और मेरे शो और लाइव्स भी चल रहे हैं। इसके लिए आप सभी का धन्यवाद।

भूमि पेडनेकर की 'दलदल' बनी ग्लोबल ओटीटी हिट

मुंबई/एजेन्सी

भूमि सतीश पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ दिखाती है कि वह ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है। सिनेमाघरों से लेकर दुनियाभर के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तक, भूमि ऐसा काम कर रही हैं जो खुद बोलता है। दलदल की सफलता के साथ यह साफ है कि भूमि सतीश पेडनेकर हर बार बड़ा जोखिम लेती हैं और उसे पूरी मजबूती से निभाती हैं।

'पंडत' की जगह 'पुजारी' शब्द इस्तेमाल करने से विवाद खत्म हो जाएगा : अनूप जलोटा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टाइटल को लेकर समाज के कुछ वर्ग काफी नाराज हैं। इस विवाद ने न केवल कानूनी और राजनीतिक मोड़ लिया है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी बहस छेड़ दी है। विवाद फिल्म के टाइटल को लेकर है, जिसमें 'पंडत' शब्द के इस्तेमाल को कुछ लोग अपमानजनक करार दे रहे हैं। इस कड़ी में मशहूर भजन और गजल गायक अनूप जलोटा ने अपनी राय रखी। अनूप जलोटा ने कहा, ''फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टाइटल पर विवाद होना स्वाभाविक है। किसी जाति को सीधे तौर पर 'घूसखोर' कहने का मामला स्वीकार्य नहीं है। इस टाइटल से ब्राह्मण समुदाय को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाने जैसा लगता है, और यह किसी भी धर्म या जाति के लिए अपमानजनक है।'' अनूप जलोटा ने इस समस्या का समाधान सुझाते हुए कहा, टाइटल में छोटा सा बदलाव करके इसे विवाद से बचाया जा सकता है। अगर इसमें 'पंडत' की जगह 'पुजारी' शब्द इस्तेमाल कर दिया जाए, तो विवाद खत्म हो जाएगा। पुजारी कोई भी हो सकता है। यह शब्द किसी धर्म या जाति विशेष के लिए नहीं है। 'पुजारी' का मतलब है 'जो पूजा करता है।' इसमें किसी विशेष व्यक्ति या समुदाय को निशाना नहीं बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, '''घूसखोर पुजारी' टाइटल रखने से फिल्म का संदेश बना रहेगा और किसी समुदाय की भावनाएं भी आहत नहीं होंगी।''फिल्म में मनोज बाजपेयी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी अजय दीक्षित की भूमिका में हैं, जिसे फिल्म में 'पंडत' के नाम से बुलाया जाता है। टाइटल के कारण मध्य प्रदेश, लखनऊ और अन्य शहरों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों के बीच आक्रोश है। वे फिल्म के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।इसके अलावा, मुंबई और लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई और दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई, जिसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस

20 जनवरी को स्कूटी लेकर मुंबई आए थे आरोपी, क्राइम ब्रांच ने किया बड़े प्लान का खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया था और अब मामले की गुत्थी धीरे-धीरे खुलती नजर आ रही है। मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में घटना की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि इसमें अवैध हथियारों की सप्लाई, बड़े पैमाने पर फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की संभावना है। पुलिस के अनुसार, 20 जनवरी को आरोपी सिद्धार्थ और समर्थ दोपहिया वाहन लेकर पुणे से मुंबई पहुंचे थे।

उनका उद्देश्य उस शूटर तक स्कूटर पहुंचाना था, जिसे विले पार्ले रेलवे स्टेशन के पास खड़ा किया गया था। शूटर, जो बिहार का रहने वाला बताया गया है, अपने चार-पांच साथियों के साथ मुंबई में रुका था और कथित तौर पर फायरिंग से पहले रोहित शेट्टी के घर की तीन-चार बार रेकी कर चुका था। जांच में और भी कई खुलासे हुए हैं। आरोपी स्वप्निल सकट के घर से पुलिस ने एक पिस्तौल, तीन मैगजीन और एक एयर गन बरामद की।

जांच में पता चला कि ये हथियार मुख्य साजिशकर्ता शुभम रामेश्वर लोनकर के कहने पर गिरफ्तार आरोपी आसाराम फसाले ने स्वप्निल को सौंपे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इन हथियारों का इस्तेमाल पहले किसी और अपराध में हुआ था या नहीं।पुलिस ने कोर्ट को बताया कि इस साजिश के लिए फंडिंग का

इंतजाम किया गया था। कथित तौर पर, इन पैसों का इस्तेमाल स्कूटर खरीदने और अन्य जरूरी सामान जुटाने में किया गया।

अब पुलिस बैंक खातों और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि फंडिंग कहां से आई।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप सिग्नल का इस्तेमाल कर रहे थे। पकड़े जाने से बचने के लिए कुछ संदिग्धों ने ऐप डिलीट कर दिया, लेकिन पुलिस ने पांचवें आरोपी का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है, ताकि डिलीट किए गए संदेश और चैट को रिकवर किया जा सके।

इसके जरिए अधिकारियों को नेटवर्क के अन्य हिस्सों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इस पूरी जांच का सबसे अहम हिस्सा अज्ञात शूटर और फरार मास्टरमाइंड शुभम लोनकर को पकड़ना है। अतिरिक्त हथियार और वाहन बरामद करने, आरोपी से आमने-सामने पूछताछ करने और साजिश में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

रिलीज से पहले विवादों में फंसी शाहिद की 'ओ रोमियो'

मुंबई/एजेन्सी

मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' की कॉन्ट्रोवर्सी के बाद 13 फरवरी को रिलीज होने वाली शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'ओ रोमियो' पर खतरे की तलवार लटक रही है। फिल्म को लेकर हुसैन उस्तारा की बेटी ने जताई है और कोर्ट में याचिका दायर करते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। मामले पर सुनवाई भी आज ही होगी। फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी ने फिल्म की रिलीज रोकने के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और कोर्ट का रुख करते हुए फिल्म की रोक लगाने की याचिका भी दायर की है। हुसैन 'उस्तारा' शेख की बेटी सनोबर शेख का कहना है कि ट्रेलर में उनके पिता की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। ट्रेलर में उन्हें सनकी और गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया है। फिल्म के रिलीज से उन्हें और उनके बच्चों को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पिता ने पूरे भारत में, विशेष रूप से मुंबई में, अपराधों को रोकने में योगदान दिया और अपराधियों से निपटने में पुलिस और खुफिया एजेंसियों की मदद की, लेकिन फिल्म में उन्हें गलत तरीके से दिखाने की कोशिश की गई है। सनोबर शेख ने कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में दावा किया है कि फिल्म उनके पिता की जीवनी पर बनी है और उनके पिता के जीवन को गैंगस्टर जैसा दिखाने की कोशिश की है। सनोबर शेख ने फिल्म के निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ कोर्ट याचिका और पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि फिल्म पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित है और काफी हद तक अभिनेता शाहिद कपूर का किरदार हुसैनन 'उस्तारा' शेख से प्रेरित है। हालांकि विशाल भारद्वाज और हुसैन जैदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि फिल्म हुसैन 'उस्तारा' शेख की जीवनी से प्रेरित नहीं है, बल्कि एक कलात्मक कहानी है, जिसका कुछ हिस्सा उनकी कहानी से प्रेरित है लेकिन किरदार काल्पनिक हैं। हालिया इंटरव्यू में हुसैन जैदी ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म सौ प्रतिशत हुसैन 'उस्तारा' शेख की जीवनी पर आधारित नहीं है, लेकिन आंशिक तौर पर प्रेरित फिल्म है, जिसमें विशाल भारद्वाज ने अपनी कलात्मकता से कहानी के रूप में पिरोया है।

अभिनेता विजय को भरना होगा 1.50 करोड़ रुपए का जुर्माना, मद्रास उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा फैसला

चेन्नई/एजेन्सी

दक्षिण के अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय एक बार फिर विवादों में घिर चुके हैं। इस बार मद्रास उच्च न्यायालय ने अभिनेता को झटका देते हुए आयकर विभाग द्वारा 1.50 करोड़ रुपए का जुर्माना अदा करने के आदेश को बरकरार रखने का फैसला लिया है। अभिनेता ने मद्रास उच्च न्यायालय में आयकर विभाग द्वारा लगाए जुर्माने को गलत बताते हुए याचिका दायर की थी, लेकिन न्यायालय ने याचिका को खारिज करते हुए फैसले को बरकरार रखा है। दरअसल साल 2016-17 में अभिनेता ने आयकर रिटर्न दाखिल किया था और अपनी संपत्ति का विवरण देते हुए 35,42,91,890 रुपए की संपत्ति घोषित की थी। अभिनेता पर आरोप लगा कि उन्होंने अपनी पूरी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है और असल संपत्ति छिपाने की कोशिश की। आयकर विभाग ने अभिनेता की संपत्ति की तुलना साल 2015 के दस्तावेजों से की,

जिसमें पाया गया कि विजय ने कथित तौर पर फिल्म 'पुली' में अभिनय के लिए प्राप्त 15 करोड़ रुपए की आय को छुपाया था, जिसका खुलासा उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में नहीं किया था। जिसके बाद साल 2022 में अभिनेता पर आयकर विभाग ने 1.50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। अभिनेता ने जुर्माना न भरने का फैसला करते हुए आयकर विभाग द्वारा लगाए गए जुर्माने को मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

आदेश को चुनौती देते हुए अभिनेता का दावा था कि आदेश 30 जून, 2019 से पहले पारित किया जाना चाहिए था, और चूंकि आदेश देरी से जारी किया गया था, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, उच्च न्यायालय ने जुर्माने की राशि के भुगतान पर अंतरिम रोक लगा दी थी, लेकिन अब न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति के समक्ष अंतिम सुनवाई में जुर्माने के फैसले को बरकरार रखने का फैसला लिया गया है। अब अभिनेता को 1.50 करोड़ रुपए भरने पड़ेंगे। इसके अलावा अभिनेता करूर भगदड़ मामले में भी फंसे हैं। अभिनेता से लगातार सीबीआई घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। अभिनेता दो बार सीबीआई के सामने पेश हो चुके हैं। सीबीआई लगातार अभिनेता और उनकी पार्टी की करूर भगदड़ में भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि विजय के देरी से आने की वजह से भीड़ ज्यादा एकत्रित हो गई और उन्हें देखने के लिए जुटी भीड़ अचानक बेकाबू हो गई। हालांकि अभिनेता और पार्टी से जुड़े अधिकारियों ने आरोपों से इनकार किया है।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को महालक्ष्मी लेआउट में विराजित आचार्यश्री भक्तिरत्नसूरीश्वरजी, नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर राजाजीनगर में विराजित मुनिश्री उज्ज्वलरत्नसागरजी, राजाजीनगर स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री स्वातिश्रीजी के दर्शन कर सभी साधु साध्वियों को 31 मार्च को फ्रीडम पार्क में आयोजित महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, साधु-साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोटरिया, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, मुकेश बाबेल, अनुराग ललवानी, विशाल गुगलिया, साधु-साध्वी सेवा समिति के सह चेयरमैन विशाल पोखरना आदि उपस्थित थे।

वीतराग वाणी पर श्रद्धा आ जाए तो आत्मा की मुक्ति सरल : आचार्यश्री हीरचन्द्रसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

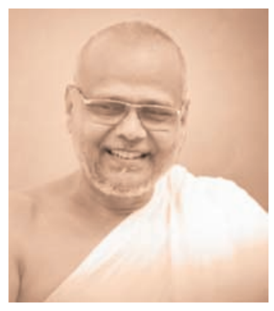

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीजी का प्रवचन कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि नमो शब्द हमें सिखाता है कि भूत और भविष्य में सिद्ध होने वाली आत्मा भी वंदनीय होती है, इसलिए हम किसी की आसातना नहीं करें। भगवान राग द्वेष के विजेता होते हैं, इसलिए हम उन्हें वीतरागी कहते हैं। वीतराग की वाणी सत्य होती है। इस वाणी पर श्रद्धा आ जाए तो आत्मा की मुक्ति सरल हो जाती हैं, क्योंकि इस भव भ्रमण श्रद्धा ही सबसे दुर्लभ है। हमारे विचारों में गड़बड़ होने से शंका स्थान बना लेती है। शंका के कारण ही हम भटक रहे हैं। आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आज हमारे बच्चे ऊंची पढ़ाई तो कर रहे हैं किंतु अपने समाज में दिग्गज वकीलों की भी जरूरत है। मांसाहार बढ़ रहा है और सार्वजनिक रास्तों पर खुले आम जीव हत्या कर रहे हैं। यह शाकाहारियों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। हम कानून का साथ ले कर इन पर बंदिश लगवा सकते हैं। जीवदया में हमारी व्यापक सोच होनी चाहिए, जहां से प्राणी कटने के लिए आते हैं, वहीं पर उन्हें बचा लेना चाहिए।ङ्ग आचार्य हीरचंद्रसूरीजी ने आगे कहा कि प्रणाम हमारी संस्कृति और रात्रि भोजन त्याग हमारी पहचान थी, इन संस्कृतियों को पुनः जीवंत करना है। घर में और संघ समाज में बुजुर्गों को सम्मान मिलना चाहिए। हमारे पूर्वजों का जीवन व्यवस्थित और सही था। उनका जागना, सोना, भोजन सभी व्यवस्थित था, इसलिए जीवन में शांति थी।

संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। इससे पूर्व आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीजी के अलसूर पधारने पर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने उनकी अगवानी की।

बॉक्स क्रिकेट लीग 'बैद कप' का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजलदेसर परिषद द्वारा आयोजित होने वाले बॉक्स क्रिकेट लीग 'बैद कप' का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष बिमल बैद ने सभी का स्वागत किया तथा बताया कि 22 फरवरी को युवाओं के लिए फाइनल क्रिकेट प्रतियोगिता, होली उत्सव व वार्षिक स्नेहमिलन का आयोजन किया जा रहा है। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में चार टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट के लिए टीम ऑक्शन संयोजक अर्पित बैद एवं लक्ष्य चिंडालिया ने खिलाड़ियों की नीलामी की। इस अवसर पर सहमंत्री राजीव हीरावत, संयोजक मनीष बेंगवानी सहित परिषद परिवार की महिलाशक्ति व कार्यकारणी सदस्यों की उपस्थिति थी।

अरिहंत कॉलेज में द्वितीय पीयू विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित अरिहंत पीयू कॉलेज में गुरुवार को द्वितीय पीयू विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक चरण की पूर्णता का उत्सव था और उत्तीर्ण हो रहे बैच को विदाई देने का अवसर बना। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि सारिका सोधी ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और मजबूत उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह में संस्थान की प्रबंध ट्रस्टी यशस्वी नागोरी, छात्र कल्याण एवं संचालन प्रमुख विवेक गुप्ता की उपस्थिति थी। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए जीवन में मूल्यों, अनुशासन और आजीवन सीखने के महत्व पर जोर दिया। शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर बधाई देते हुए संस्थान में उनके विकास और सफलताओं को याद किया। इसके बाद कार्यक्रम अनौपचारिक विदाई समारोह में परिवर्तित हुआ, जिसमें खेल, नृत्य प्रस्तुतियाँ और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर माहौल को जीवंत और आनंदमय बना दिया।

भागवत का संबोधन ध्यान से सुनते दिखे सलमान खान

मुंबई/भाषा। अभिनेता सलमान खान शनिवार को मुंबई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख मोहन भागवत के भाषण में पूरी तरह से तल्लीन दिखे। सलमान खान के साथ फिल्मकार सुभाष घई और गीतकार, कवि एवं लेखक प्रसून जोशी भी थे। सलमान खान ने भागवत की बात बड़े ध्यान से सुना, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघ किसी का विरोध किए बिना देश के लिए काम करता है, राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित करता है और सत्ता की लालसा किए बिना कार्य करता है।शनिवार को वर्ली क्षेत्र के नेहरू सेंटर में 'संघ की 100 साल की यात्रा: नए क्षितिज' शीर्षक से दो दिवसीय व्याख्यान शृंखला का पहला दिन था। जैसे ही सलमान खान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने अपने स्मार्टफोन से उनकी तस्वीरें खींचने की कोशिश की।दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य आरएसएस की यात्रा, समाज में इसकी भूमिका और इसके भविष्य को आकार देने वाले विचारों और दृष्टिकोणों पर चिंतन करना है।

तेयुप विजयनगर के सदस्यों ने गुरुदेव की 157 घंटे की जप अभ्यर्थना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत के नेतृत्व में नेपाल के साथ साथ पूरे देश की 368 परिषदों में छह फरवरी तक 54 दिवसीय जप अभ्यर्थना-2.0 के माध्यम से अखंड जाप का आयोजन किया गया।इसी कड़ी में तेयुप विजयनगर के सदस्यों ने कुल 157 घंटे का जाप किया। विजयनगर के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने बताया कि हमारी परिषद ने जाप करके गुरुदेव के प्रति श्रद्धा अर्पित की। मंत्री योगेश पोरवाड़ ने अन्य जानकारी दी। साध्वीश्री संयमलताजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि अभातेयुप द्वारा इस कार्य से युवाओं को आध्यात्म की धारा से जोड़ने के लिए तप व जप के माध्यम से अच्छा प्रयास किया जा रहा है। जप के इस क्रम में अभातेयुप से कमलेश चोपड़ा सहित विजयनगर के सहमंत्री मनीष चावत, संयोजक रतन बरड़िया, सहसंयोजक विकास लुणिया, किशोर मंडल के दर्शन बाबेल, रीदम चावत, प्रिंस मांडोत एवं हर्ष मांडोत का सहयोग मिला।

'निगम चुनाव में जैन समाज भी को एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के अहिंदा आंदोलन के प्रमुख एस. मूर्ति और अहिंदा राज्य संयोजक सिद्धार्थ जैन के नेतृत्व में आगामी चुनावों के लिए प्राथमिक चर्चा और नियमों पर विचार करने के लिए बैठक का आयोजन किया। बैठक में कई वरिष्ठ मंत्रियों और विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया। अहिंदा प्रमुख और पूर्व कर्नाटक विधानसभा सचिव एस. मूर्ति ने स्वागत किया। बैठक में पूर्व कांग्रेस मंत्री बी. सोमशेखर, पूर्व लोकसभा सदस्य वीएस उग्रप्पा, मुड्गेरे के पूर्व भाजपा विधायक एमपी कुमारस्वामी, जनता दल (सेक्युलर) के राज्य अध्यक्ष सीएम इब्राहिम, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एलएन मूर्ति ने भी अपने राजनीतिक अनुभव साझा किए। इस बैठक में ग्रेटर बेंगलूरु आथोरिटी के चुनाव में सभी अल्पसंख्यकों को एकजुट होकर चुनाव लड़ने के लिए चर्चा की गई। जैन समाज को भी एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए ताकि समाज में बदलाव आए। इस बैठक में अहिंदा जैन टीम के रेणु रांका, डीसी जैन, सुरेश चावत, पृथ्वीराज वेदमुथा, कविता पोरवाल, ललित डाकलिया, सुरेश जैन, कैलाश संकलेचा, डॉ. भीकमचंद, नीतेश राठौड़, अरुण रुणवाल, गौतम ओस्तवाल, मानक लुनावत, सुनील जैन, विजयराज जैन, लाभेश जैन, संजय लुनावत, दीपक जैन, नरेश जैन आदि उपस्थित थे।

शांतिनगर आदिनाथ मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ हुआ ध्वजारोहण

ध्वजारोहण के लाभार्थी बोथरा परिजनों ने किए अनेक धार्मिक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ आदिनाथ जैन मंदिर के तत्वावधान में आदिनाथ जिनालय, दादावाड़ी व भोमियाजी मंदिर की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में ध्वजा के लाभार्थी राजेन्द्रकुमार त्रिलोककुमार बोथरा परिवार मलबरी सिल्कस के निवास से ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शांतिनगर की विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंची जहां संतों के सान्निध्य में ध्वजा की पूजा की गई। ध्वजापूजा से पहले मंदिर में 17भेदी पूजा प्रारंभ की गई। तुषारगुरुजी ने विधि विधान करवाए तथा संगीतकार ने संगीत की प्रस्तुति दी। ध्वजा के वरघोड़े में ध्वजा के लाभार्थी परिवार सहित शांतिनगर जैन संघ के नरेन्द्र करबावाला, महावीरचन्द तातेड़, मगराज संचेती, सुरेश पोरवाड़, रमेश गोठी, स्थानकवासी संघ के महावीरचन्द मुथा, कमल बैद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।त्रिलोकचन्द बोथरा ने सभी का स्वागत किया।ङ्गध्वजा पूजा के दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि ध्वजा के लहराने से सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती है। जितना लाभ प्रभु प्रतिमा के दर्शन करने से होता है उतना ही लाभ मंदिर के शिखर पर लहराती ध्वजा के दर्शन से होता है। ध्वजारोहण से सभी प्रकार के दुखों का नाश हो जाता है। ध्वजा विजय का द्योतक होती है। संतों की उपस्थिति में पूरे मंत्रोच्चार व विधिविधान के साथ बोथरा परिवार के परिजनों ने मंदिर के शिखर पर 21वां ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद बड़ी शांति पूजा का पाठ हुआ। आदिनाथ जैन नवयुवक मंडल, महिला मंडल के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 07.02.2026

स्व. श्री माधुरामजी काग

सुपुत्र : स्व. श्री चौथारामजी काग, गांव कुशालपुरा बेरा नोकड़ा, हॉल मुकाम हेब्बाल(मैसूरु)

स्व. श्री माधुरामजी काग के आकस्मिक निधन से हम सब व्यथित एवं स्तब्ध हैं। हम दिवंगत आत्मा की चिरशांति के लिए परमात्मा से प्रार्थना करते हैं एवं परिवार को इस गहन आघात को सहन करने की क्षमता प्रदान करने की कामना भी करते हैं।

श्रद्धावनत
सुराराम सोलंकी
संस्थापक सीरवी समाज चेरिटेबल ट्रस्ट, केआरएस रोड मैसूरु
साडू - मोटाराम सोलंकी
एवं समस्त सोलंकी परिवार ग्राम आगेवा (हाल मुकाम मैसूरु)

हिन्दू उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के हिंदू समाज उत्सव समिति विजयनगर द्वारा आयोजित हिंदू समाज उत्सव कार्यक्रम में आयोजित विशाल शोभायात्रा में भाग लेते हुए पूर्व पार्षद रविंद्र, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, पूर्व पार्षद डॉ राजू, चंद्रशेखर एवं विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि सनातन संस्कृति भारत की आत्मा है। हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है ।

|| जय गुरु नाना || || श्री महावीराय नमः || || जय गुरु राम ||

श्री साधुमार्गी जैन संघ के नए पदाधिकारी

गोपाल चंद जी खिंवसरा — अध्यक्ष
कोमलकुमारजी गांधी — मंत्री
पारसमलजी मुणोत — कोषाध्यक्ष

श्री साधुमार्गी जैन संघ, बेंगलूरू के नव नियुक्त पदाधिकारीगण अपनी समर्पित सेवाओं से संघ का गौरव बढ़ाएँ। आपका कार्यकाल यशस्वी हो।

शुभेच्छुः श्री साधुमार्गी जैन संघ, बेंगलूरू
श्री साधुमार्गी जैन समता महिला मंडल, बेंगलूरू
श्री साधुमार्गी जैन समता युवा संघ, बेंगलूरू
श्री साधुमार्गी जैन समता बहु मंडल, बेंगलूरू

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**